NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 189 लखनऊ, रविवार 01 मार्च 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

देश से नफरत करने वालों की राह पर कांग्रेस, पीएम मोदी का अजमेर से विपक्ष पर तीखा वार

एजेंसी।
दिल्ली। अजमेर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी भारत को बदनाम करने का मौका ढूंढ रही है। उन्होंने कांग्रेस की तुलना विभाजन के लिए जिम्मेदार मुस्लिम लीग से करते हुए कहा कि पार्टी का इतिहास देश को कमजोर करने का रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विपक्षी कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए भारत के विभाजन से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं का जिक्र किया और आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक ताकतों का देश को कमजोर करने का इतिहास रहा है। अजमेर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने रक्षा तैयारियों को लेकर भी विपक्ष पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों के दौरान सशस्त्र बलों को संसाधनों की कमी का

सामना करना पड़ा।मोदी ने कहा कि यह वही कांग्रेस थी जिसने हमारे सैनिकों को हथियारों और वर्दी के लिए भी इंतजार करवाया। सैनिकों के परिवारों को श्एक रैंक एक पेंशनश से वंचित रखा गया। उनके कार्यकाल में विदेशी देशों के साथ रक्षा सौदों में बड़े पैमाने पर घोटाले हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि अखिल भारतीय मुस्लिम लीग "भारत से नफरत करती थी" और देश के विभाजन के लिए जिम्मेदार थी। तुलना करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस भी उसी राह पर चल रही है।उन्होंने कांग्रेस पर देश को बदनाम करने और राष्ट्रीय संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि माओवादी भारत की समृद्धि, संविधान और लोकतंत्र से नफरत करते हैं। इसी तरह, कांग्रेस देश को बदनाम करने का मौका ढूंढती है और इसके लिए हर जगह घुसपैठ करती है। देश ऐसे कुकर्मों को कभी माफ नहीं करेगा। 2014 से शुरू की गई पहलों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार के सत्ता में आने से पहले, शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपेक्षा की जाती थी।उन्होंने कहा कि हमने 2014 से पहले का वह दौर देखा जब शौचालयों की कमी के कारण हमारी बहनों और बेटियों को अपमान सहना पड़ता था। अलग शौचालय की सुविधा न होने के कारण लड़कियां स्कूल छोड़ देती थीं। पहले सत्ता में रहे लोगों के लिए ये छोटी–मोटी बातें थीं। राजस्थान में विकास के बारे में बात करते हुए मोदी ने कहा कि भाजपा की "दो इंजन वाली सरकार" विरासत और प्रगति के बीच संतुलन बनाने के लिए काम कर रही है।उन्होंने आगे कहा कि अच्छी सड़कें, रेल और हवाई संपर्क न केवल यात्रा को आसान बनाते हैं,

राजस्व समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के सख्त निर्देश, होली पर अवैध शराब पर कड़ी निगरानी के आदेश

संवाददाता
लखनऊ। योगी आदित्यनाथ ने राजस्व समीक्षा बैठक में सभी विभागों को लक्ष्य प्राप्ति के लिए टीम भावना, पारदर्शिता और सतर्कता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राजस्व वृद्धि से ही प्रदेश में विकास कार्यों की गति तय होती है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।मुख्यमंत्री ने होली पर्व के मद्देनजर आबकारी विभाग को विशेष सतर्कता बरतने का आदेश देते हुए अवैध और जहरीली शराब के उत्पादन व बिक्री पर पूरी तरह अंकुश लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान प्रवर्तन कार्रवाई और सघन जांच अभियान चलाया जाए।वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए कुल कर–राजस्व लक्ष्य 2,95,000 करोड़ रुपये निध ीरित किया गया है। फरवरी 2026 तक 1,96,177 करोड़ रुपये की प्राप्ति दर्ज की गई है। राज्य कर विभाग का वार्षिक लक्ष्य 1,75,725 करोड़

रुपये तय किया गया, जिसके सापेक्ष अब तक 1,03,770 करोड़ रुपये का संग्रह हो चुका है। इसमें वस्तु एवं सेवा कर के तहत 75,195 करोड़ तथा मूल्य वर्धित कर से 28,575 करोड़ रुपये की प्राप्ति शामिल है।बैठक में बताया गया कि नवीन कर व्यवस्था के उन्नत संस्करण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जोखिम विश्लेषण और जांच प्रणाली से उल्लेखनीय सुधार हुआ है। 1.59 लाख करदाताओं की कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जांच पूरी की जा चुकी है। फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट पर नियंत्रण के माध्यम से 3,117 करोड़ रुपये की वसूली की गई है।आबकारी विभाग को 63,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया गया है, जिसके सापेक्ष फरवरी तक 48,501 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में 13.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग ने 38,150 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 29,487 करोड़ रुपये अर्जित किए हैं। मुख्यमंत्री ने रजिस्ट्री कार्यालयों के आध ुनिकीकरण और भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण अभियान को गति देने के निर्देश दिए।परिवहन विभाग को 14,000 करोड़ रुपये के लक्ष्य के सापेक्ष 11,005 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई है। मुख्यमंत्री ने बसों की फिटनेस की सख्त निगरानी और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही निजी बस संचालकों के सहयोग से नए मार्ग चिन्हित करने को कहा।भू–राजस्व एवं ऊर्जा विभाग ने संयुक्त रूप से 3,414 करोड़ रुपये का संग्रह किया है। खनन विभाग ने डिजिटल मैपिंग और जीपीएस ट्रैकिंग के माध्यम से राजस्व बढ़ाने की जानकारी दी। विभिन्न प्राधिकरणों ने अपनी परियोजनाओं से संभावित राजस्व का प्रस्तुतीकरण भी किया।मुख्यमंत्री ने अंत में सभी विभागों को स्पष्ट संदेश दिया कि निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित की जाए, जिससे प्रदेश के विकास कार्यों को और गति मिल सके।

ईरान-अमेरिका संघर्ष : राहुल गांधी बोले- सरकार फौरन भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करे

एजेंसी।
दिल्ली। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ते मध्य पूर्व संघर्ष पर चिंता जताते हुए, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत सरकार से क्षेत्र में मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है। यह अपील ईरान द्वारा बहरीन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर मिसाइल हमला करने के बाद आई है, जिससे क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है। भारत में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष के मद्देनजर, जो पूरे मध्य पूर्व में फैल चुका है, सरकार से अपने लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल और सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया है। गांधी ने ग कार्यक्रम में कहा कि अमेरिका–इजराइल और ईरान के बीच तेजी से बढ़ती शत्रुता बेहद चिंताजनक है। मध्य पूर्व में प्रत्येक भारतीय नागरिक की

सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मैं भारत सरकार से अपने लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल और सक्रिय कदम उठाने का आग्रह करता हूं।ईरान ने बहरीन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर लक्षित मिसाइल हमला किया है। भारत में ईरानी दूतावास ने शनिवार को कहा कि बहरीन में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे को ईरानी मिसाइल हमलों का निशाना बनाया गया। दूतावास ने हमले के बाद का एक वीडियो भी जारी किया, जिसमें धुएं के गुबार दिखाई दे रहे हैं। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने इससे पहले अपने खिलाफ जायोनी शासन की क्रूर आक्रामकता की निंदा करते हुए दावा किया कि उनके हमले ईरान के दुश्मन की आक्रामकता का जवाब हैं। भारत में ईरानी दूतावास ने कहा कि अल्लाह के नाम पर, जो अत्याचारियों का नाश करने वाला है। इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के खिलाफ शत्रुतापूर्ण और आपराधिक दुश्मन की आक्रामकता के जवाब में, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने कब्जे वाले क्षेत्रों की ओर व्यापक मिसाइल और ड्रोन हमलों की पहली लहर शुरू कर दी है। इससे पहले, खलीज टाइम्स के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भी ईरानी सेना द्वारा दागी गई मिसाइलों को रोका था।

पश्चिम बंगाल एसआईआर की फाइनल वोटर लिस्ट जारी, 5.46 लाख वोटर्स के नाम लिस्ट से हटा दिए गए

एजेंसी।
दिल्ली। मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में ैप्ट के बाद की वोटर लिस्ट में वोटरों की संख्या 7.04 करोड़ से ज़्यादा हो गई है, जिसमें बदलाव के दौरान नाम हटाए और जोड़े गए हैं। अग्रवाल ने रिपोर्टर्स को बताया कि वोटर रोल में बदलाव की प्रक्रिया में थ्वतउ–7 के जरिए 5.46 लाख से ज़्यादा वोटरों के नाम हटाए गए और थ्वतउ–6 और थ्वतउ–6। जमा करके 1. 82 लाख से ज़्यादा वोटरों के नाम जोड़े गए।इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया ने शनिवार को स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (ैप्) के बाद पश्चिम बंगाल के लिए वोटर लिस्ट जारी की। 28 फरवरी, 2026 तक, राज्य में कुल 70,459,284 वोटर हैं और 546,053 वोटरों के नाम लिस्ट से हटा दिए गए हैं (फॉर्म 7)।
बंगाल में वोटरों की संख्या 7.04 करोड़ से ज़्यादा हुईमुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में ैप्ट के बाद की वोटर लिस्ट में वोटरों की संख्या 7.04 करोड़ से ज़्यादा हो गई है, जिसमें बदलाव के दौरान नाम हटाए और जोड़े गए हैं। अग्रवाल ने रिपोर्टर्स को बताया कि वोटर रोल में बदलाव की प्रक्रिया में थ्वतउ–7 के जरिए 5.46 लाख से ज़्यादा वोटरों के नाम हटाए गए और थ्वतउ–6 और थ्वतउ–6। जमा करके 1.82 लाख से ज़्यादा वोटरों के नाम जोड़े गए।58 लाख गिनती के फॉर्म नहीं मिलेउन्होंने कहा कि बदलाव की प्रक्रिया के दौरान 58 लाख से ज़्यादा गिनती के फॉर्म नहीं मिले, जिनमें मरे हुए, शिफ्ट हुए और डुप्लीकेट वोटरों के मामले शामिल हैं। सीईओ ने यह भी कहा कि 60 लाख से ज़्यादा वोटर ष्अंडर एडजुडिकेशनष कैटेगरी में हैं, लेकिन उन्हें

एसआईआर के बाद की वोटर रोल में शामिल कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि बदलाव की प्रक्रिया चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार की गई थी। भवानीपुर में पोस्ट–ैप्ट इलेक्टोरल रोल से राजनीतिक हलचल पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले, शनिवार को पोस्ट–एसआईआर इलेक्टोरल रोल के पब्लिकेशन ने भवानीपुर में नई राजनीतिक हलचल मचा दी। भवानीपुर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का चुनाव क्षेत्र है। यहां से 47,000 से ज़्यादा नाम हटा दिए गए और 14,000 से ज़्यादा नाम अंडर जजमेंट रखे गए।

डीएमके की हारी हुई सीटों पर कांग्रेस का दांव, क्या सिट सेयरिंग पर बनेगी बात?

एजेंसी।
दिल्ली। आगामी तमिलनाडु चुनावों के लिए डीएमके–कांग्रेस गठबंधन में सीट बंटवारे पर पेंच फंसा हुआ है, जिसे सुलझाने के लिए दोनों दलों के वरिष्ठ नेताओं की अहम बैठक हो रही है। कांग्रेस की मांग पिछले चुनाव से ज्यादा सीटों की है, जिस पर डीएमके फिलहाल सहमत नहीं है। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां राजीतिक पार्टियों ने शुरु कर दी है। ऐसे में विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और डीएमके ने अपनी चुनावी तैयारियां तेजी से शुरु कर दी है। इस दौरान दोनों दलों में सीटों के बंटवारे को लेकर गहन विचार चल रहा है। अभी तक सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस और डीएमके में कुछ पेंच फंसा हुआ है, जिसके चलते सीट–शेयरिंग बातचीत शुरु होगी।अपने गठबंधन को लेकर जारी तमाम कयासों पर विराम लगाते हुए डीएमके और कांग्रेस ने घोषणा की है कि वे आगामी अप्रैलदृ मई में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए शनिवार से औपचारिक सीट–बंटवारे की वार्ता शुरू करेंगे। बातचीत का पहला चरण चेन्नई स्थित डीएमके मुख्यालय अन्ना अरिवालयम में सुबह 10.30 बजे आयोजित किया जाएगा। क्या है कांग्रेस की मांग? जिस पर डीएमके नहीं है तैयारआपको बताते चले कि, कांग्रेस इस बार पिछले चुनाव में हुए बंटवारे के मुकाबले ज्यादा सीटें की मांग कर रही है। जिसको लेकर डीएमके असहमति जता रही है। इसलिए बैठक के जरिए सहमित का रास्ता खोला जा रहा है। कांग्रेस के अनुसार, डीएमके ने पिछली बार 173 सीटों पर चुनाव लड़ा था। जिसमें से 133 सीटों पर उसे जीती मिली और 40 सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। अब कांग्रेस का कहना है कि डीएमके उन 40 हारी हुई सीटों में से 15

कांग्रेस को दें, हालांकि डीएमके कांग्रेस की इस मांग को लेकर बिल्कुल भी तैयार नहीं है।बैठक में दोनों तरफ से ये नेता रहेंगे मौजूदइस बीच, तमिलनाडु कांग्रेस अध्यत्र के. सेल्वा पेरुंथगई ने दावा किया है कि पार्टी को चार सदस्यों की टीम प्रतिनिधित्व करेगी, जिसमें वह खुद, AICC इंचार्ज गिरीश चोडनकर, को–इंचार्ज निवेदित अल्वा और कांग्रेस विधायक दल के नेता राजेश कुमार शामिल होंगे। इसके अलावा, डीएमके प्रतिनिधि मंडल को पार्टी कोषाध्यक्ष टी.आर. बालू लीड करेंगे और इसमें मुख्यमंत्री और क्डझ अध्यक्ष एम.के स्टालिन की तरफ से नियुक्त सात सदस्यों की कमेटी भी शामिल होगी।

गाजियाबाद हमले पर मुख्यमंत्री सख्त, सलीम वास्तिक प्रकरण में त्वरित गिरफ्तारी के निर्देश

संवाददाता।
लखनऊ, । योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद में यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर हुए जानलेवा हमले का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में आतंक फैलाने और कानून–व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने को कहा है।गौरतलब है कि शुक्रवार सुबह लोनी क्षेत्र के अल्वी नगर निवासी सलीम वास्तिक पर अली गार्डन कॉलोनी स्थित उनके कार्यालय में हमला किया गया। जानकारी के अनुसार

बाइक सवार दो अज्ञात हमलावर दफ्तर में घुसे और चाकू से गले व पेट पर कई वार कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। उन्हें तत्काल दिल्ली के गुरु तेग बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका ऑपरेशन किया गया। परिजनों के अनुसार उनकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।इस मामले में सलीम के पुत्र उस्मान की तहरीर पर शक के आधार पर पांच लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपियों में एआईएमआईएम नेता अजगर, अशरफ, शाहरुख, सोनू तथा भाटी बिल्डर के नाम शामिल बताए गए हैं। गिरफ्तारी के लिए दस विशेष टीमें गठित की गई हैं, जिन्हें अलग–अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। बीती रात पुलिस ने दिल्ली और गाजियाबाद के चार ठिकानों पर छापेमारी की, जहां से कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिलने की बात कही जा रही है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार हमले के पीछे संभावित रंजिश, वैचारिक मतभेद और अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है तथा तकनीकी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर सतर्कता बढ़ा दी गई है।मुख्यमंत्री के सख्त रुख के बाद पुलिस कार्रवाई और तेज कर दी गई है।

कांशीराम की विरासत पर सियासी घमासान, सपा के दावे से भड़की बसपा

संवाददाता।
लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के बीच मान्यवर कांशीराम की विरासत को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। सपा की ओर से कांशीराम की विचारधारा और विरासत पर किए गए दावों के बाद बसपा ने कड़ा ऐतराज जताया है।विश्वनाथ पाल ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अखिलेश यादव कांशीराम जी के नाम पर "नौटंकी" कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सपा को वास्तव में मान्यवर कांशीराम से इतना प्रेम और सम्मान था तो कांशीराम नगर का नाम क्यों बदला गया।बसपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांशीराम जी की जयंती पर अवकाश रद्द कर सपा सरकार ने उनका अपमान किया था। उन्होंने कहा कि यदि सपा नेतृत्व में सच्चा सम्मान होता तो ऐसा निर्णय नहीं लिया जाता।विश्वनाथ पाल ने यह भी कहा कि कुर्मी समाज के महानायक छत्रपति शाहू जी के नाम पर बने जिले का नाम बदलकर पिछड़े वर्गों का अपमान किया गया। उनके अनुसार सपा ने अपने कार्यकाल में कई जिलों के नाम बदलकर महापुरुषों का अपमान किया।

महायुद्ध, खाड़ी क्षेत्र में मिसाइलों की गूंज, भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर भी संकट गहराया!

पश्चिम एशिया में आज घटनाक्रम ने अचानक भीषण रूप ले लिया, जब अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर व्यापक सैन्य अभियान शुरू किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़े पैमाने पर युद्धक कार्रवाई की पुष्टि करते हुए इसे अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम बताया और कहा कि तेहरान को परमाणु हथियार क्षमता हासिल करने से रोकना अनिवार्य है।हम आपको बता दें कि हमलों की पहली लहर में तेहरान के कई महत्वपूर्ण स्थलों पर विस्फोट हुए। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के परिसर तथा राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के ठिकानों को निशाना बनाए जाने की खबरें सामने आईं। हालांकि कुछ सूत्रों के अनुसार खामेनेई को पहले ही सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया था। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के कई वरिष्ठ कमांडरों के मारे जाने की अपुष्ट खबरें भी आईं।हमलों के तुरंत बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इजराइल और क्षेत्र में स्थित अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलें दागीं। कतर की राजधानी दोहा और संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। बहरीन में अमेरिकी पांचवें बेड़े के सेवा केंद्र के निकट हमले की सूचना मिली, जिसके बाद जुफैर इलाके को खाली कराया गया। कुवैत ने अपनी सुरक्षा के अधिकार सुरक्षित रखने की बात कही, जबकि जॉर्डन ने दो मिसाइलें मार गिराने का दावा किया। वहीं इजराइल में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। इस समय ईरान की ओर से इजराइल और अमेरिकी बेसों पर मिसाइल और ड्रोन हमले लगातार होने की खबरें सामने आ रही हैं।

रेरा का विराज कांस्ट्रक्शन पर कड़ा आदेश, डॉ0 अनुपमा तिवारी को ब्याज सहित करीब 50 लाख रुपये देने के निर्देश

लखनऊ(आरएनएस)लखनऊ निवासिनी डॉ अनुपमा तिवारी की शिकायत पर माननीय उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) की लखनऊ पीठ ने 28 जनवरी, 2026 को विराज कांस्ट्रक्शन कंपनी के विरुद्ध महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। प्रकरण में पीड़िता की ओर से अधिवक्ता विजय कुमार पाण्डेय ने प्रभावी पैरवी की। प्राधिकरण के आदेश को उपभोक्ताओं के हित में एक अहम निर्णय माना जा रहा है, जिसमें बिल्डर को न केवल निर्माण पूर्ण करने बल्कि विलंब अवधि का ब्याज सहित धनराशि लौटाने के निर्देश दिए गए हैं।मामले के अनुसार डॉ अनुपमा तिवारी ने वर्ष 2014 में बीबीडी ग्रीन सिटी, लखनऊ स्थित लोटस कोर्ट (फेज–1) परियोजना में एक आवासीय फ्लैट बुक कराया था। बाद में उन्हें यूनिट संख्या स्ब्ब्4ए 803 आवंटित की गई और 3 जून, 2019 को विक्रय अनुबंध निष्पादित हुआ। अनुबंध की शर्तों के अनुसार बिल्डर को 30 जून, 2021 तक फ्लैट का वैध कब्जा उपलब्ध कराना था। इस फ्लैट के एवज में डॉ तिवारी द्वारा कुल 35,35,291 रुपये का भुगतान किया जा चुका था।निर्धारित समयसीमा बीत जाने के बावजूद विराज कांस्ट्रक्शन न तो परियोजना के लिए ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) अथवा कम्प्लीशन सर्टिफिकेट (सीसी) प्राप्त कर सका और न ही फ्लैट का कब्जा सौंप पाया। लगातार देरी के कारण डॉ तिवारी को दोहरी आर्थिक मार झेलनी पड़ी। एक ओर उन्हें बैंक से लिए गए ऋण पर ब्याज का भुगतान करना पड़ रहा था, वहीं दूसरी ओर आवास उपलब्ध न होने के कारण उन्हें प्रतिवर्ष लगभग ढाई से तीन लाख रुपये किराया भी वहन करना पड़ा। इस स्थिति ने उनकी आर्थिक स्थिति पर गंभीर प्रभाव डाला।विलंब और अनिश्चितता से परेशान होकर अंततः उन्होंने रेरा की शरण ली। सुनवाई के दौरान बिल्डर की ओर से शिकायत का विरोध किया गया, किंतु प्राधिकरण ने दोनों पक्षों की दलीलों, अभिलेखों और अनुबंध की शर्तों का परीक्षण करने के बाद पाया कि बिल्डर द्वारा समय पर कब्जा न देकर उपभोक्ता के अधिकारों का उल्लंघन किया गया है।अपने आदेश में रेरा ने स्पष्ट किया कि विराज कांस्ट्रक्शन अगस्त 2026 तक निर्माण कार्य पूर्ण कर आवश्यक ओसी/सीसी प्राप्त करे और उसके बाद विधिवत कब्जा उपलब्ध कराए। साथ ही प्राधिकरण ने निर्देश दिया कि 30 जून, 2021 से लेकर वास्तविक कब्जा प्रदान किए जाने या ओसी/सीसी प्राप्ति की तिथि (जो भी बाद में हो) तक जमा की गई राशि पर एसबीआई एमसीएलआर प्लस एक प्रतिशत की दर से विलंब अवधि का ब्याज अदा किया जाए। लगभग चार वर्ष सात माह की देरी को ध्यान में रखते हुए अनुमानित 9 प्रतिशत वार्षिक दर से लगभग 14,57,162 रुपये ब्याज सहित कुल देय राशि करीब 49,92,453 रुपये निर्धारित की गई है। आदेश में यह भी उल्लेखित है कि यदि भुगतान में और देरी होती है तो उस अवधि के लिए अतिरिक्त ब्याज भी देय रहेगा।प्राधिकरण ने अपने आदेश में यह चेतावनी भी दी है कि यदि निर्धारित समयावधि में आदेश का पालन नहीं किया गया तो रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 की धारा 63 तथा अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के अंतर्गत विराज कांस्ट्रक्शन के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जाएगी। इस निर्णय को आवासीय परियोजनाओं में विलंब के मामलों में उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

हकीम जी की मस्जिद में नौ रोजा तरावीह मुकम्मल

हाफिज कैफ अहमद ने सुनाया मुकम्मल कुरान, नमाज की पाबंदी पर दिया जोर

प्रयागराज। अतरसुइया रानी मंडी स्थित हकीम जी की मस्जिद में नौ रोजा तरावीह मुकम्मल होने पर खास दुआ और बयान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हाफिज–ए– कुरान कैफ अहमद ने मुकम्मल कुरान सुनाया और नमाज की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि केवल तरावीह या रोजा रखने से ही नहीं, बल्कि पांच वक्त की फर्ज नमाज की पाबंदी से अल्लाह की रजामंदी हासिल होती है।उन्होंने अपने बयान में कहा कि नमाज इस्लाम का स्तंभ है और यह हुजूर–ए–अकरम हजरत मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) की आंखों की ठंडक है। मुसलमानों को चाहिए कि वे सबसे पहले अपनी फर्ज नमाजों की पाबंदी करें और गुनाहों से बचें, क्योंकि कयामत के दिन सबसे पहले नमाज का हिसाब लिया जाएगा।हाफिज कैफ को हाफिज–ए– कुरान बनाने में उनकी वालिदा की विशेष भूमिका रही। परिवार ने अपने दो बेटों और दो बेटियों को दुनियावी और दीनी तालीम दिलाई। कैफ के हाफिज बनने के बाद अब लोग उनके माता पिता को हाफिज कैफ के वालिद और वालिदा के नाम से पहचानने लगे हैं।कुरान मुकम्मल होने के बाद हाफिज कैफ ने दुआ–ए–खैर कराई। उल्लेखनीय है कि वे तरावीह के एवज में किसी प्रकार का रुपया, पैसा या तोहफा स्वीकार नहीं करते।तरावीह नमाज में मोहम्मद फैयाज, मोहम्मद इम्तियाज, मोहम्मद सदीक, मोहम्मद सैफ, मोहम्मद शारिक, शेरू, असद, आदिल, इशबार भाई, मोहम्मद अकरम, सोहेल समेत सैकड़ों नमाजी शामिल हुए।

होली पर लखनऊमें निर्बाध जलापूर्ति के लिए विशेष एक्शन प्लान, सभी प्लांट और नलकूप रहेंगे पूरी क्षमता से संचालित

लखनऊ(आरएनएस)। होली पर्व को लेकर नगर निगम लखनऊ के जलकल विभाग ने शहर में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष एक्शन प्लान तैयार किया है। 4 मार्च 2026 को होली के दिन किसी भी क्षेत्र में पानी की कमी न हो, इसके लिए विभाग ने पूर्व तैयारियां पूरी कर ली हैं और विस्तृत आपूर्ति कार्यक्रम लागू करने का निर्णय लिया है।जलकल विभाग के महाप्रबंधक कुलदीप सिंह ने जानकारी दी कि नगर निगम के तीनों जलकल प्लांट, शहर के सभी ओवरहेड टैंक तथा समस्त नलकूप पूरी क्षमता के साथ चालू रहेंगे। होली के दिन सुबह के समय पानी की अधिक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सभी जोनों में प्रातः 05रू00 बजे से 09रू00 बजे तक नलकूपों से सीधे जलापूर्ति की जाएगी। इससे नागरिकों को रंग खेलने, साफ–सफाई और घरेलू उपयोग के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सकेगा।दोपहर के समय भी आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए सभी ओवरहेड टैंकों से 12:00 बजे से 02:00 बजे तक उच्च दबाव के साथ पानी की सप्लाई दी जाएगी। इसके अतिरिक्त ऐशबाग जलकल, बालागंज जलकल तथा तृतीय जलकल कठौता से निर्धारित समयानुसार नियमित आपूर्ति की जाएगी। इन केंद्रों से सुबह 05:00 बजे से 09:00 बजे तक, दोपहर 12:00 बजे से शाम 03:00 बजे तक तथा शाम 05:00 बजे से रात 09:00 बजे तक पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।जलकल विभाग ने यह भी सुनिश्चित किया है कि जिन इलाकों में हर वर्ष होली के अवसर पर पेयजल टैंकर लगाए जाते हैं, वहां इस बार भी टैंकरों की तैनाती रहेगी। जरूरत के अनुसार अतिरिक्त टैंकर भेजे जाएंगे, ताकि किसी भी क्षेत्र में जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो।होली के दौरान पानी या सीवर से जुड़ी किसी भी समस्या के त्वरित समाधान के लिए सभी जोनों के अभियंताओं के मोबाइल फोन 24 घंटे सक्रिय रखे जाएंगे। नागरिक जलकल विभाग के कंट्रोल रूम नंबर 8177054100, 8177054003 एवं 8177054010 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।सीवर संबंधी शिकायतों के लिए मेसर्स सुएज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के टोल फ्री कंट्रोल रूम नंबर 18003130522 पर भी संपर्क किया जा सकता है। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी समस्या की स्थिति में सीधे संबंधित नंबरों पर सूचना दें, ताकि तत्काल कार्रवाई कर होली पर्व को सुचारु और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा सके।

फूलपुर बार के अध्यक्ष के बेटे को सरेराह घेरकर पीटा

रोडरेज में झगड़ा, 10 हजार कैश, सोने के मोती लगी माला लूटी

प्रयागराज। झूंसी थाना क्षेत्र में फूलपुर तहसील बार अध्यक्ष धर्मराज यादव के बेटे प्रकाश यादव को रोडरेज में सरेराह घेरकर पीटा गया। रोडरेज में हुए इस झगड़े में उसके साथ मौजूद एक अन्य युवक को भी मारा पीटा गया। आरोप यह भी है कि हमलावर 10 हजार कैश व सोने के मोती लगी रुद्राक्ष की माला व एक घड़ी भी लूट ले गए। हालांकि पुलिस का कहना है कि मामला मारपीट का है, लूट के आरोप गलत हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रकाश यादव चमनगंज बाजार झूंसी का रहने वाला है। वह अल्लापुर स्थित साकेत अस्पताल में फार्मासिस्ट है। रोज की तरह शुक्रवार शाम स्टाफ के ही नीरज यादव के साथ बुलेट से घर लौट रहा था। शास्त्री ब्रिज पर एक युवक ने खतरनाक ढंग से बाइक चलाते हुए मुझे ओवरटेक किया। इसके बाद आगे जाकर आड़े–तिरछे गाड़ी चलाने लगा।प्रकाश ने पुलिस को बताया कि मैंने कई बार हॉर्न दिया लेकिन युवक आड़े–तिरछे बाइक चलाता रहा। इस पर उसने उससे इसका कारण पूछा तो वह झगड़ने लगा। गाली गलौज करने लगा और तेजी से बाइक लेकर आगे बढ़ गया। इसके बाद मैंने जैसे ही शास्त्री ब्रिज पार किया, वहां पहले से खड़े उसी युवक ने मुझे रोक लिया। कुछ ही देर में लोटस हॉस्पिटल वाले रास्ते से उसके पांच–छह साथी आ गए।उसने बताया कि मैं कुछ समझ पाता, इससे पहले ही मुझ पर हमला कर दिया गया। हमलावर युवकों ने घेरकर मुझे व मेरे दोस्त को पीटा। इसके साथ ही 10 हजार कैश व गले से रुद्राक्ष की माला, जिसमें सोने के मोती लगे थे, लूट लिया। साथ मौजूद स्टाफ की घड़ी भी छीन ली। फिर धमकी देते हुए भाग निकले। आरोप है कि उसी वक्त सूचना देने के बावजूद पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। जबकि थाना यहां से 100 मीटर की दूरी पर है।

ड्यूटी के दौरान करंट की चपेट में आया संविदा विद्युत कर्मी, जगरानी अस्पताल मार्ग पर पोल पर काम करते समय हुई मौत

लखनऊ(आरएनएस)। जनपद के गुडंबा क्षेत्र में देर रात ड्यूटी के दौरान एक संविदा विद्युत कर्मी की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मामले में अग्रिम कानूनी प्रक्रिया जारी है और क्षेत्र में शांति व्यवस्था सामान्य बनी हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 फरवरी 2026 की सुबह लगभग 05रू00 बजे थाना सैरपुर पर मोहन पुत्र स्वर्गीय हनुमान, निवासी ग्राम तरहिया, थाना सैरपुर, जनपद लखनऊ द्वारा लिखित फोन सूचना दी गई। उन्होंने बताया कि उनके भाई परशुराम (उम्र लगभग 45 वर्ष), जो कल्याणपुर–गुडंबा क्षेत्र में विद्युत विभाग में संविदा कर्मी के रूप में कार्यरत थे, 27 और 28 फरवरी की मध्य रात्रि लगभग 01रू30 बजे जगरानी अस्पताल मुख्य मार्ग पर स्थित एक विद्युत पोल पर मरम्मत कार्य कर रहे थे।बताया गया कि मरम्मत के दौरान अचानक विद्युत आपूर्ति बहाल होने या करंट प्रवाहित होने से परशुराम उसकी चपेट में आ गए। तेज करंट लगने से उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना गुडंबा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची, जहां आवश्यक जांच–पड़ताल की गई। विधिक प्रक्रिया के तहत पंचायतनामा की कार्रवाई पूर्ण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, ताकि मृत्यु के कारणों की विधिवत पुष्टि हो सके।परशुराम चार भाइयों में से एक थे। उनके परिवार में तीन पुत्रियां और एक पुत्र हैं। अचानक हुई इस घटना से परिवार में शोक की लहर है। पुलिस के अनुसार घटना स्थल पर स्थिति पूर्णतः नियंत्रण में है और किसी प्रकार की विधि–व्यवस्था संबंधी समस्या नहीं है। प्रकरण में अग्रिम विधिक कार्रवाई प्रचलित है और संबंधित तथ्यों की जांच की जा रही है।

सीएम योगी के जापान दौरे से प्रयागराज में लघु उद्योग भारती को बढ़ी उम्मीद

यूनिट मालिकों में उत्साह, एमएसएमई सेक्टर और अधिक मजबूत होगा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश को औद्योगिक हब बनाने के सीएम योगी सतत प्रयास कर रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जापान दौरा एक महत्वपूर्ण और सफल पहल है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम सेक्टर में को लेकर जिस तरह जापान की तरफ से आश्वासन मिला है उससे प्रदेश में इस सेक्टर में बड़े निवेश और निर्यात के रास्ते भी खुल रहे हैं।उद्योग और कौशल विकास के लिए नई तकनीकी का ट्रांसफर और निवेश बड़ी आवश्यकता है। इसके लिए यूपी के सीएम का जापान दौरा गेम चेंजर साबित होगा। लघु उद्योग भारती के प्रयागराज के जिला अध्यक्ष संजय कुमार जैन का कहना है कि जापान का सहयोग मिलने से उत्तर प्रदेश में एमएसएमई सेक्टर और अधिक मजबूत होगा। संजय कुमार जैन का मानना है कि सीएम की इस पहल से एमएसएमई क्षेत्र में जापान की तकनीक का हस्तांतरण एक बड़ी उपलब्धि साबित होगी। जिस तरह से जापान ने टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के साथ कौशल विकास, संयुक्त उपक्रम, सप्लाई चेन एकीकरण, ऑनलाइन सेलिंग में सक्रिय सहयोग का प्रस्ताव दिया है वह यह दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश आने वाले समय एक बड़ा औद्योगिक हब बनने जा रहा है। जापान का निवेश यूपी में होने से प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन होगा। स्थानीय सूक्ष्म ,लघु एवं मध्यम औद्योगिक इकाइयों को भी अपने उत्पाद निर्यात का रास्ता मिलेगा प्रयागराज के नैनी इलाके में स्थित एमएसएमई शाह फार्मास्युटिकल के मार्केटिंग और सेल्स प्रबंधक मेराज अहमद का कहना है कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने छोटे , मध्यम और बड़े सभी उद्यमियों के लिए औद्योगिक वृद्धि के लिए उपयोगी वातावरण पैदा किया है। नए कौशल और तकनीकी के प्रदेश में आने से उत्पादों की गुणवत्ता बेहतर होगी जिससे उसका निर्यात भी बढ़ेगा। जापान के सहयोग से इंडस्ट्री के हाथ मजबूत होंगे।

होलिका दहन व होली 2026 को लेकर लखनऊ पुलिस का व्यापक सुरक्षा खाका, 3729 स्थलों पर तैनात रहेगा भारी पुलिस बल

लखनऊ(आरएनएस)। होलिका दहन एवं होली पर्व–2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट ने व्यापक सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन की तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस वर्ष होली का पर्व 2 मार्च 2026 को होलिका दहन तथा 3 और 4 मार्च 2026 को रंगोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों में होली मिलन समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम होली के बाद भी आयोजित किए जाते हैं, जिन्हें देखते हुए कानून–व्यवस्था के विशेष प्रबंध किए गए हैं।कमिश्नरेट लखनऊ के अंतर्गत कुल 3729 होलिका दहन स्थलों को चिन्हित किया गया है। इन सभी स्थलों पर सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई है। 2 मार्च को होलिका दहन तथा 3 और 4 मार्च को रंगोत्सव, शोभायात्राओं और सार्वजनिक आयोजनों को सकुशल संपन्न कराने के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा योजना लागू की गई है।सुरक्षा प्रबंधन के तहत चार अपर पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) और 12 सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) स्तर के अधिकारी निगरानी में रहेंगे। इनके साथ 19 निरीक्षक, 72 उपनिरीक्षक तथा 400 मुख्य आरक्षी और आरक्षी तैनात किए गए हैं। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए 22 यातायात निरीक्षक, 75 उपनिरीक्षक, 660 मुख्य आरक्षी/आरक्षी और 80 होमगार्ड लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त 14 कंपनी पीएसी, वायरलेस यूनिट तथा एलआईयू (इंटेलिजेंस) की टीमें भी सक्रिय रहेंगी।सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए पुलिस, प्रशासन और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित की गई है, जिसमें ड्यूटी प्वाइंट, रूट प्लानिंग और वीवीआईपी प्रोटोकॉल की विस्तृत जानकारी दी गई। भीड़ प्रबंधन और आपात स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल एवं रूट रिहर्सल भी कराए गए हैं, ताकि किसी भी स्थिति में त्वरित और समन्वित कार्रवाई की जा सके।तकनीकी दृष्टि से भी व्यापक इंतजाम किए गए हैं। शहर के प्रमुख स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों में 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाएगी, जिसका संचालन विशेष कंट्रोल रूम से होगा। साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी पुलिस की सतर्क निगाह रहेगी, ताकि अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए आयोजन स्थलों के आसपास विशेष ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू किया गया है। आम नागरिकों की सुविधा के लिए अलग से यातायात परामर्श (एडवाइजरी) जारी की जा रही है, जिससे लोगों को वैकल्पिक मार्गों की जानकारी समय से मिल सके।लखनऊ पुलिस ने स्पष्ट किया है कि होली पर्व के दौरान सभी कार्यक्रमों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न कराना उसकी प्राथमिकता है। पुलिसकर्मियों को संवेदनशील और संयमित व्यवहार के लिए विशेष रूप से निर्देशित किया गया है।

इतिहास को भुलाया नहीं जाना चाहिए- सुधीर विद्यार्थी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में शनिवार को स्वतंत्रता संग्राम और प्रयागराज विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रख्यात लेखक सुधीर विद्यार्थी ने इतिहास, क्रांतिकारी चेतना और वर्तमान समय की चुनौतियों पर गंभीर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इतिहास केवल अतीत का वर्णन न करे, बल्कि भविष्य को दिशा देने वाला होना चाहिए। उन्होंने 1921 से स्वतंत्रता आंदोलन की चर्चा प्रारंभ करते हुए महान क्रांतिकारी सचिन्द्र नाथ सान्याल के प्रसिद्ध "पीला पर्चा" का उल्लेख किया, जिसमें एक ऐसे समाज की कल्पना की गई थी जहाँ मनुष्य द्वारा मनुष्य का शोषण न हो।

श्री विद्यार्थी ने ऐतिहासिक काकोरी कांड को स्वतंत्रता संग्राम के निर्णायक क्षणों में से एक बताते हुए हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन की भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रयागराज स्थित आनंद भवन का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे राष्ट्रीय चेतना का केंद्र बताया। श्री विद्यार्थी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज त्याग और बलिदान की भावना क्षीण होती दिखाई दे रही है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से आह्वान किया कि इतिहास को भुलाया नहीं जाना चाहिए, बल्कि उसे जीवित रखना समय की आवश्यकता है।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि सुधीर विद्यार्थी का लेखन इतिहास को जन–स्मृति से जोड़ता है, जो आज अत्यंत प्रासंगिक है। कुलपति ने प्रयागराज के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े इतिहास को विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम में शामिल करने का प्रस्ताव रखा। साथ ही इतिहास विभाग से अपेक्षा की कि वे सुधीर विद्यार्थी के लेखन पर अकादमिक शोध की दिशा में पहल करें। इसी क्रम में उन्होंने अपनी प्रथम पुस्तक में वर्णित शहीद अशफाक उल्ला खाँ के योगदान का उल्लेख करते हुए उनके त्याग और वैचारिक दृढ़ता को याद किया।

ट्रेन में 10 लाख के गहनों से भरा बैग चोरी

प्रयागराज जंक्शन पर घटना, जीआरपी में एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर महाराष्ट्र से लौट रहे पिता–पुत्री की सीट के नीचे रखा 10 लाख रुपये के गहनों से भरा बैग चोर उड़ा ले गए। ट्रेन के मऊ पहुंचने पर पीड़ित ने एफआईआर दर्ज कराई। मामला अब प्रयागराज जीआरपी को ट्रांसफर कर दिया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार 56 वर्षीय अजीत सिंह मऊ जिले के सहादतपुरा मोहल्ले के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी श्रेया सिंह शादी के बाद महाराष्ट्र के ठाणे में रहती है। बेटी को विदा कराकर वह 26 फरवरी को ट्रेन से मऊ के लिए रवाना हुए थे। ए–1 कोच में उनकी और उनकी बेटी की सीट थी। 27 फरवरी को सुबह करीब 7रू40 बजे जब ट्रेन प्रयागराज जंक्शन पहुंची, उस दौरान कुछ देर के लिए ट्रेन का ठहराव हुआ। उन्होंने बताया कि उस समय काले रंग का बैग सीट के नीचे सुरक्षित रखा था। लेकिन ट्रेन के प्रस्थान से पहले जब दोबारा देखा गया तो उनकी पुत्री का बैग रहस्यमय परिस्थितियों में गायब मिला।इसके बाद सुबह 8रू07 बजे रेलवे हेल्पलाइन 139 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराई गई। साथ ही चेन पुलिंग कर जीआरपी को सूचना दी गई। पीड़ित के अनुसार, जीआरपी की ओर से कहा गया कि यदि प्राथमिकी दर्ज करानी है तो ट्रेन छोड़नी पड़ेगी। उन्होंने बताया कि वह अपनी बेटी को ट्रेन में अकेला नहीं छोड़ सकते थे, इसलिए मऊ पहुंचकर वहां जीआरपी में लिखित शिकायत दर्ज कराई। अजीत सिंह ने बताया कि बैग में सोने के कंगन, सोने की पायल, डायमंड जड़ित गोल्ड नेकलेस सेट समेत करीब 10 लाख रुपये के गहने थे। जीआरपी मऊ थानाध्यक्ष राजकुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

ससुर की फावड़े से हत्या करने वाला दामाद गिरफ्तार, बंथरा पुलिस ने भेजा जेल

लखनऊ(आरएनएस)। ग्राम चक थाना बंथरा क्षेत्र में दहेज विवाद के बाद हुए हमले में ससुर की इलाज के दौरान मृत्यु के मामले में पुलिस ने मुख्य वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपनी पत्नी को मायके भेजने के विवाद में आक्रोशित होकर फावड़े से ससुर के सिर पर वार किया था। पुलिस ने अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त फावड़ा भी बरामद कर लिया है।पुलिस के अनुसार 22 फरवरी 2026 को वादिनी पूजा रावत पत्नी संदीप कुमार, निवासी ग्राम चक थाना बंथरा जनपद लखनऊ ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि पति एवं ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करते थे। 22 फरवरी को उसके पिता रामनरेश उसे मायके ले जाने के लिए ससुराल आए थे। इसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि ससुराल पक्ष ने गाली–गलौज और मारपीट की। वादिनी के जेठ ने रामनरेश को पकड़ लिया और संदीप ने धारदार फावड़े से उनके सिर पर वार कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए।घायल रामनरेश को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें लोकबंधु अस्पताल और बाद में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ रेफर किया गया। उपचार के दौरान 26 फरवरी 2026 को उनकी मृत्यु हो गई। प्रारंभ में दर्ज मुकदमा संख्या 45/2026 धारा 85/115(2)/352/110 बीएनएस में विवेचना के दौरान मृत्यु होने पर धारा 105 बीएनएस की बढ़ोतरी की गई।अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई थी। मुखबिर की सूचना पर ग्राम चक से नरायनपुर/बेहटा मार्ग के पास से संदीप रावत पुत्र श्यामलाल, उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम चक थाना बंथरा को गिरफ्तार किया गया।

नौ साल की मलक आयत ने पहली बार रखा रोजा

प्रयागराज। इस समय रमजान का पवित्र महीना चल रहा है। चारों तरफ दुआएं मांगी जा रही हैं। इबादत की जा रही है। ऐसे में करेली प्रयागराज निवासी मोहम्मद शारिक हारून और नाजिया सुल्ताना की नौ वर्षीय बेटी मलक आयत ने भी पहली बार एक दिन का रोजा रखकर मुल्क के अमन, चैन और बरकत की दुआ मांगी। मलक आयत ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ अपना पहला रोजा रखा। कम उम्र होने के बावजूद उनके चेहरे पर थकान से ज्यादा संतोष और खुशी नजर आई। परिवार में दादा मोहम्मद हारून अंसारी दादी शगुफ्ता यासमीन और चाचा मोहम्मद तारिक हारून ने मलक आयत के इस हौसले को सराहा।

सुलतानपुर चीनी मिल के आधुनिकीकरण की मांग तेज, मंत्री को सौंपा गया पत्र

सुलतानपुर,(आरएनएस)। जनपद की एकमात्र सहकारी चीनी मिल के आधुनिकीकरण और पेराई क्षमता बढ़ाने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। 188–सुलतानपुर के पूर्व मंत्री/विधायक विनोद सिंह ने 27 फरवरी को कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह को पत्र भेजकर मिल के विस्तार और तत्काल सुधार की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि 1973 में स्थापित और 1984 से संचालित यह मिल करीब 42 वर्ष पुरानी होकर जर्जर स्थिति में पहुंच चुकी है। वर्तमान पेराई क्षमता लगभग 12,500 कुंतल प्रतिदिन है, जबकि इसे 40,000 कुंतल प्रतिदिन तक बढ़ाने का आश्वासन दिया गया था। कम क्षमता के कारण किसानों को गन्ना अन्य जिलों की मिलों में ले जाना पड़ रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि जिले में औद्योगिक विकास सीमित होने से बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है। ऐसे में चीनी मिल का आधुनिकीकरण न केवल किसानों को राहत देगा, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ाएगा।उन्होंने सरकार से शीघ्र निर्णय लेकर मिल के विस्तार और आधुनिकीकरण का आदेश जारी करने की मांग की है।

रोजा रखने से समूह में सहानुभूति का माहौल उत्पन्न हो ता है- मौलाना फकीह हैदर

सुलतानपुर। समाज में रोजे का योगदान भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह एक विशाल दीवार की तरह काम करता है जो फिजूलखर्ची और व्यर्थ के खर्चों को रोकता है, और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच आर्थिक असमानता को समाप्त करने में मदद करता है। रोजा अमीर और गरीब के बीच समानता और संतुलन स्थापित करने में सहायक है, क्योंकि यह अमीरों को यह एहसास दिलाता है कि गरीबों की स्थिति क्या है और उन्हें अपनी जिम्मेदारी समझाकर उनकी मदद करने की प्रेरणा देता है। यह माहौल समाज में एकता और सहानुभूति को बढ़ावा देता है और हमें यह सिखाता है कि हम सब एक ही इंसानियत के हिस्से हैं, और हर व्यक्ति की मदद करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। रोजा रखने से समुदाय में एकता और सहानुभूति का अद्वितीय माहौल उत्पन्न होता है, जो समाज को आपसी समझ और सहयोग की ओर अग्रसर करता है। इस पवित्र महीने की आध्यात्मिक महिमा न केवल हमारे दिलों को रोशन करती है, बल्कि यह हमें हमारी जिम्मेदारियों का सच्चा एहसास भी कराती है, जिससे हम अपने जीवन को और अधिक श्रेष्ठ और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित होते हैं। इस महीने में हम अपनी ईमानदारी, नेक इरादों और सच्चाई की ओर लौटते हैं, और अल्लाह से अपने पापों की माफी मांगते हैं, साथ ही अपने समाज में भी एक सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करते हैं। क्या हम रमजान के इस पवित्र माह के अवसर पर अपने आत्मिक और सामाजिक कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाकर, अपने जीवन को अच्छाई और सचाई की ओर मोड़ सकते हैं? क्या हम इस महीने के हर एक पल को आत्म–निरीक्षण, तौबा, और सुधार की दिशा में एक कदम और बढ़ने के रूप में उपयोग कर सकते हैं? आइए, हम सब मिलकर अपने भीतर के खोट को समाप्त करें, एकता और सहानुभूति की भावना से समाज में बदलाव लाने का संकल्प लें, और रमजान की आध्यात्मिक महिमा को अपनी जिंदगी में उतारते हुए एक सच्चे इंसान बनने का प्रयास करें।

मुरादाबाद थाना पाकबड़ा क्षेत्र जलभराव के खिलाफ प्रदर्शन: नदी पर शाह आलमपुर रोड पर ग्रामीणों ने प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग की

विजडम इंडिया। संवाददाता मोहम्मद शाहरुख।

मुरादाबाद।पाकबड़ा थाना क्षेत्र नदी पर शाह आलमपुर रोड जल भराव की समस्याओं को लेकर रविवार ग्रामीणों ने विरोध

प्रदर्शन किया ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर लम्बे समय से पानी भरा होने के कारण आवागमन बाधित हो गया है बच्चों का स्कूल जाना बुजुर्गों का घर से निकलना मरीजों को अस्पताल ले जाना मुश्किल हो रहा है ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों और ग्राम पंचायत को इस समस्या से अबागत कराया है लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला जलभराव के कारण सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। गंदे पानी के जमाव से दुर्गंधा फैल रही है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। इसके अलावा, वाहनों के फिसलने से लोग अक्सर चोटिल हो रहे हैं रविवार के प्रदर्शन में सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रदर्शनकारियों ने तत्काल पानी की निकासी, सड़क और नालियों की मरम्मत कर स्थायी समाधान की मांग की। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर महान वैज्ञानिक डा. सी.वी रमन को याद कर विज्ञान प्रतियोगिता आयोजित

सुलतानपुर(आरएनएस)। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में

जिलाधिकारी कुमार हर्ष, मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह तथा जिला विद्यालय निरीक्षक सूर्य प्रकाश सिंह, जिला विज्ञान क्लब सुल्तानपुर के निर्देश में महान वैज्ञानिक डॉ सी वी रमन के द्वारा रमन प्रभाव की खोज के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी 2026 को 'वूमेन इन साइंस कैटालाइजिंग विकसित भारत' थीम पर राम राजी बालिका सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सुल्तानपुर में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रख्यात चिकित्सक डॉ जे पी सिंह, विशिष्ट अतिथि के एन आई टी के कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ अरविंद तिवारी और सह जिला विद्यालय निरीक्षक जटाशंकर यादव ने सरस्वती प्रतिमा पर पुष्पार्चन व दीप प्रज्ज्वलित करके किया। डॉ जे पी सिंह ने आने वाली सदी को भारत के विज्ञान की सदी बताया और उपस्थित छात्र छात्राओं को विज्ञान अध्ययन व नवाचार के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थी विज्ञान मॉडल तथा विज्ञान पोस्टर प्रतियोगिता में सम्मिलित हुएस के.एन.आई.टी. सुल्तानपुर के प्रोफेसर डॉ अरविंद तिवारी ने भारत रत्न और नोबेल पुरस्कार विजेता महान वैज्ञानिक सी वी रमन के द्वारा रमन प्रभाव की खोज के विषय में समझाते हुए आधुनिक युग को ए आई युग के रूप में परिवर्तित होने के प्रभाव पर प्रकाश डाला। सह जिला विद्यालय निरीक्षक जटा शंकर यादव ने अपने संबोधन में कहा कि आने वाला युग भारत का होगा, इन्होंने चंद्रयान मंगलयान तथा कोविड वैक्सीन आदि उपलब्धियां की चर्चा की।राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अक्षिता सोनी, द्वितीय स्थान प्रिया मोदनवाल, तथा तृतीय स्थान श्रेया साहू ने प्राप्त किया तथा विज्ञान पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ऋचा साहू, द्वितीय स्थान मुस्कान मौर्या तथा तृतीय स्थान नैन्सी मिश्रा ने प्राप्त किया। जिन्हें ट्राफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाचार्य रोली श्रीवास्तव, कीर्ति सिंह, प्रीति सिंह, रंजना मिश्रा, कंचन सिंह, रजनी शुक्ला, जिला समन्वयक अखिलेश पांडे आदि उपस्थित रहे।

पंचायत चुनाव समय पर ही कराए जाएंगे-ओमप्रकाश राजभर

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जिला समन्वय समिति की बैठक में शामिल होने पहुंचे ओम प्रकाश राजभर ने दिल्ली शराब घोटाले में आए कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सीबीआई, ईडी और अन्य स्वतंत्र एजेंसियों को यदि शिकायत मिलती है तो वे जांच करती हैं। इसमें सरकार का कोई लेना–देना नहीं है। उन्होंने कहा कि एजेंसी ही मुकदमा दर्ज करती है, एजेंसी ही जांच करती है और यदि सबूत नहीं मिल पाते तो यह एजेंसी की जिम्मेदारी है, सरकार की नहीं। ऐसे मामलों में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए और वे इसके पक्षधर हैं। शराब घोटाले के फैसले पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा दिए गए नैतिक मृत्युदंड वाले बयान पर राजभर ने पलटवार करते हुए कहा कि सत्ता से बाहर होने पर लोग इस तरह के बयान देते हैं। उन्होंने 1990 के शंकराचार्य प्रकरण का जिक्र केस दर्ज हुआ था और

करते हुए कहा कि उस समय लाठीचार्ज किसकी सरकार में हुआ था। सत्ता में रहने वाला व्यक्ति संविधान की शपथ लेकर कार्य करता है और उसी के अनुसार कार्रवाई होती है। शंकराचार्य प्रकरण से सनातन धर्म को नुकसान होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इससे सनातन को कोई नुकसान नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में भी शंकराचार्य के खिलाफ लाठीचार्ज हुआ था। धर्मगुरुओं का कार्य अपने धर्म का प्रचार–प्रसार करना और लोगों को उससे जोड़ना है, न कि मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री के खिलाफ बयानबाजी करना। पंचायत चुनाव को लेकर फैली भ्रम की स्थिति पर उन्होंने स्पष्ट किया कि मतपत्र छपकर जिलों में भेजे जा चुके हैं। 15 अप्रैल को मतदाता सूची का प्रकाशन होगा।

जौनपुर चितौड़ी गांव की होनहार छात्रा दिव्यांशी सिंह ने जेईई मेन–II परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर जनपद का नाम रोशन किया

इतिहास, जेईई मेन–II में प्रदेश टॉप कर देश में 11वीं रैंक ।

जय प्रकाश मिश्रा जौनपुर

जौनपुर जिले के चितौड़ी गांव की होनहार छात्रा दिव्यांशी सिंह ने जेईई मेन–II परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर जनपद का नाम रोशन किया है। दिव्यांशी ने उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर 11वीं रैंक हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है।

दिव्यांशी सिंह, श्रीमती अनीता सिंह एवं धर्मेन्द्र प्रताप सिंह की पुत्री हैं। सीमित संसाधनों के बीच कठिन परिश्रम, लगन और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। सफलता का समाचार मिलते ही परिवार, गांव और शुभचिंतकों में उत्साह की लहर दौड़ गई। लोगों ने घर पहुंचकर मिठाई खिलाई और बधाई दी।

दिव्यांशी माधोपट्टी गांव के कृष्ण कुमार सिंह 'टूटू' की भांजी हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता, गुरुजनों और परिवार के सहयोग को दिया। दिव्यांशी ने कहा कि उनका लक्ष्य देश के प्रतिष्ठित संस्थान से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर तकनीकी क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देना है।

ग्रामीण परिवेश से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाली दिव्यांशी की उपलब्धि से क्षेत्र के अन्य छात्र–छात्राओं को भी नई प्रेरणा मिली है। जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों और सामाजिक संगठनों ने उनकी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

खड़े टैंकर में ट्रक ने मारी टक्कर, चालक की मौत खलासी घायल

बल्दीराय सुलतानपुर (आरएनएस)। शनिवार को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सुलतानपुर जनपद के हलियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत माइल स्टोन 87.5 के पास मार्ग किनारे खड़े एक गैस से भरे टैंकर में पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में ट्रक चालक धर्मेंद्र पुत्र राजेंद्र निवासी बहोरापुर, थाना अखंडनगर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं खलासी रूप किशोर पुत्र रामदास को मामूली चोटें आईं। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही यूपीडा टीम और हलियापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को एंबुलेंस से 100 सैया संयुक्त चिकित्सालय, पिठला कुमारगंज (अयोध्या) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चालक को मृत घोषित कर दिया।बताया जा रहा है कि टैंकर में गैस भरी हुई थी और टक्कर के बाद गैस का रिसाव शुरू हो गया, जिससे आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। एहतियातन पुलिस ने यातायात को रोककर डायवर्ट कर दिया। दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर गैस रिसाव को नियंत्रित करने की कार्रवाई शुरू की। थानाध्यक्ष वंदना अग्रहरी पुलिस बल के साथ मौके पर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

चीनी मिल बंदी की असली वजह 250-300 करोड़ की बहुमूल्य जमीन - विपिन प्रकाश सिंह

सुलतानपुर(आरएनएस)। जिले की इकलौती किसान सहकारी चीनी मिल को अचानक बंद करने का फैसला जिले की सियासत में गर्मी ला रहा है। समाजवादी पार्टी के युवा नेता विपिन प्रकाश सिंह दीपक ने इसे किसानों के साथ बड़ा धोखा बताते हुए भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने खुलासा किया कि मिल बंद करने का मुख्य मकसद 14 हेक्टेयर की कीमती जमीन को बेचना है, जिसकी वर्तमान बाजार कीमत 250 से 300 करोड़ रुपये तक आंकी जा रही है।श्री सिंह ने कहा यह सोची समझी साजिश है। मिल को बिना किसी पूर्व सूचना, नोटिस या गन्ना समितियों से चर्चा के पेराई प्रक्रिया रोक दी। यह नियमों का खुला उल्लंघन है। हजारों किसान प्रभावित हैं उनके गन्ने खेतों में खड़े हैं, अब मजबूरन कम दाम पर निजी मिलों में बेचने को विवश हैं, जिससे करोड़ों का

नुकसान हो रहा है। नेता ने आरोप लगाया कि मिल की मरम्मत के नाम पर आए करोड़ों रुपये में गड़बड़ी हुई, फंड का दुरुपयोग किया गया, जबकि कोई ठोस मरम्मत नहीं हुई। इस सत्र में मिल की क्षमता 22 लाख क्विंटल गन्ना पेराई करने की थी, लेकिन जानबूझकर रोका गया। श्री सिंह ने बताया कि मिल की 14 हेक्टेयर (लगभग 25–30 लाख विश्वा) जमीन आज बाजार में 250 से 300 करोड़ रुपये मूल्य की है। यही जमीन बंदी का असली कारण है। बसपा शासन में मिल बेचने की कोशिश हुई थी, जिसमें बाजाज ग्रुप, बलराम ग्रुप और जेपी ग्रुप जैसे बड़े नाम इच्छुक थे, लेकिन किसानों–कर्मचारियों के विरोध और हाईकोर्ट के हस्तक्षेप से रुकी। पूर्व सांसद मेनका गांधी और मुख्यमंत्री ने नवीनीकरण का वादा किया था, जो महज जुमला साबित हुआ। सपा नेता ने किसानों से एकजुट होकर विरोध करने की अपील की और कहा कि सपा सत्ता में लौटते ही मिल को मजबूत बनाकर किसानों का हक सुनिश्चित किया जाएगा।

उत्पीड़न को लेकर ससुरालीजनों पर केस दर्ज

लालगंज प्रतापगढ़(आरएनएस)। उत्पीड़न को लेकर विवाहिता की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लीलापुर थानान्तर्गत मत्तूपुर बोझी गांव की पूजा वर्मा ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि आठ वर्ष पूर्व उसका विवाह राहुल वर्मा पुत्र शोभनाथ वर्मा के साथ हुआ। पीड़िता का आरोप है कि पति समेत ससुरालीजन आये दिन प्रताड़ित करते हैं। पीड़िता का यह भी आरोप है कि सास शकुन्तला, ससुर शोभनाथ, चचेरे ससुर नन्हें वर्मा उसे प्रताड़ित करते हुए घर से भगा दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने बीती छब्बीस फरवरी को पति समेत ससुरालीजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बाल विवाह मुक्तभारत अभियान के अंतर्गत कार्यशाला का हुआ आयोजन

श्रावस्ती (आरएनएस)। महिला कल्याण विभाग एवं स्वयं सेवी संस्था सद्भावना एसोसिएशन द्वारा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित बाल

विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों, ग्राम के वालेंटियर, प्रमुख व्यक्तियों एवं स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर अध्यक्षा सद्भावना समिति योगेंद्रमणि त्रिपाठी द्वारा ग्राम के वॉलेंटियर एवं थारू जनजाति की बच्चियों का परिचय कराया गया तथा संस्था द्वारा किए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों, जनसंपर्क गतिविधियों एवं सामुदायिक प्रयासों की जिलाधिकारी महोदय द्वारा विशेष सराहना की गई। उन्होंने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति है, जिसके उन्मूलन हेतु प्रशासन, समाज और जनप्रतिनिधियों का सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक है।जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि जिला प्रशासन श्रावस्ती को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता से इस संकल्प को शीघ्र ही साकार किया जाएगा। उन्होंने सभी से अपील की कि बाल विवाह की किसी भी घटना की सूचना तत्काल संबंधित विभाग या प्रशासन को दें। कार्यक्रम का उद्देश्य बाल विवाह के विरुद्ध जनजागरूकता बढ़ाना तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है, ताकि जनपद श्रावस्ती बाल विवाह मुक्त जनपद बनने की दिशा में निरंतर प्रगति करता रहे।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी प्रतिभागियों को बाल विवाह रोकथाम के प्रति संकल्प दिलाया गया तथा बाल क्लब के सदस्यों द्वारा शपथ ग्रहण कराया गया। साथ ही, जिलाधिकारी महोदय द्वारा बाल विवाह मुक्त समाज की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सेवानिवृत्त दो पुलिस कर्मियों को दी गई विदाई

श्रावस्ती (आरएनएस)।अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम द्वारा जनपद श्रावस्ती में सेवानिवृत्त

हुए कुल 2 पुलिस कर्मियों के सम्मान में गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उप निरीक्षक नागरिक पुलिस प्रमोद कुमार व लीडिंग फायरमैन नारायण सिंह को उनके दीर्घकालिक, अनुशासित एवं निष्ठापूर्ण सेवाकाल के लिए सम्मानित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं विभाग के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा गया कि उन्होंने अपने सम्पूर्ण सेवाकाल में कानून–व्यवस्था, जनसेवा एवं विभागीय अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके द्वारा प्रदर्शित कार्यसंस्कृति वर्तमान एवं नव–नियुक्त पुलिस कर्मियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगी। पुलिस विभाग उनके अमूल्य योगदान पर गर्व करता है। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों को स्मृति चिह्न भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखमय जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गईं।

धोखाधड़ी से हड़पे इक्यान्वे हजार, केस दर्ज

लालगंज प्रतापगढ़(आरएनएस)। फोन पर धोखाधड़ी करते हुए आरोपी के खाते से इक्यान्वे हजार हड़प लिये जाने की घटना को लेकर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के पूरे नरायनदास गांव की रूबी देवी पत्नी राहुल सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती छः फरवरी को सुबह करीब ग्यारह बजे उसके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल रिसीव करने पर गांव की सुनीता देवी पत्नी रमेश कुमार मौर्य ने उससे बातचीत शुरू किया। पीडिता का आरोप है कि गर्भवती महिला को सरकारी लाभ दिलाने के नाम पर बातचीत के जरिए आरोपियों ने दो बार में इक्यान्वे हजार खाते से हड़प लिया।

वोट के लिए मुफ्त की रेवड़ी से कर्जे के अंधकूप में देश

इस पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मुफ्त की चीजें देकर राज्य सरकारें लोगों की आदतें खराब कर रही है। कोर्ट ने आगे कहा कि इन लोगों का रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि कई राज्य सरकारें कर्ज और घाटे से दबी हुई हैं। इसके बावजूद वे मुफ्त योजनाएं बांट रही हैं। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओ त्से–तुंग ने कहा था कि किसी आदमी को एक मछली दो और तुम उसे एक दिन के लिए खिलाओगे। उसे मछली पकड़ना सिखाओ और तुम उसे जिंदगी भर खिलाओगे। आज के भारतीय शब्दों में यह है कि हर नेता जो मुफ्त चीजों का वादा करता है, असल में यह कह रहा है कि मैं तुम्हें एक अच्छी रोजी–रोटी और रेगुलर इनकम की इज्जत नहीं दे सकता। इसलिए अभी के लिए यह कुछ है, इसी से काम चला लो। चुनाव आते ही मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए राजनैतिक दलों में मुफ्त की रेवड़ी बाँटने की होड़ लग जाती है। कोई मुफ्त बिजली और पानी देने की बात करता है तो कोई स्मार्टफोन, लैपटॉप, साइकिल और टीवी की बात करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त सुविधाएं देने की संस्कृति की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि देश के आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एक याचिका दायर कर उपभोक्ताओं की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को निरूशुल्क बिजली प्रदान करने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, कोर्ट ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) सरकार के नेतृत्व वाली बिजली वितरण कंपनी की मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया है। बिजली वितरण कंपनी ने सुप्रीम कोर्ट में विद्युत संशोधन नियम, 2024 के एक नियम को चुनौती दी थी।

इस पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मुफ्त की चीजें देकर राज्य सरकारें लोगों की आदतें खराब कर रही है। कोर्ट ने आगे कहा कि इन लोगों का रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि कई राज्य सरकारें कर्ज और घाटे से दबी हुई हैं। इसके बावजूद वे मुफ्त योजनाएं बांट रही हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने पूछा कि बिजली शुल्क अधिसूचित होने के बाद तमिलनाडु की कंपनी ने अचानक जेब ढीली करने का फैसला क्यों किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा राज्यों को रोजगार के रास्ते खोलने के लिए काम करना चाहिए। अगर आप सुबह से शाम तक मुफ्त भोजन देना शुरू कर देंगे, फिर मुफ्त साइकिल, मुफ्त बिजली देंगे, तो कौन काम करेगा और फिर कार्य संस्कृति का क्या होगा।सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार से कहा कि वैलफेयर के तौर पर आप उन लोगों को देना चाहते हैं जो बिजली का चार्ज नहीं दे सकते, लेकिन जो लोग खर्च उठा सकते हैं और जो नहीं उठा सकते, उनके बीच फर्क किए बिना, आप बांटना शुरू कर देते हैं। तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2026–27 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था। इसमें अनुमान के मुताबिक, राज्य का कुल बकाया कर्ज बढ़कर 10.71 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इस बढ़ते कर्ज के लिए वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने केंद्र को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र तमिलनाडु में वित्तीय अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की मंजूरी नहीं दे रही है और केंद्र प्रायोजित योजनाओं का फंड रोक रही है। उन्होंने जीएसटी दरों में कटौती और 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट

पर भी निराशा जताई। मंत्री थेन्नारसु के अनुसार संघीय ढांचे में राज्यों के साथ ऐसा अनुचित व्यवहार पहले कभी नहीं देखा गया। द्रमुक (डीएमके) सरकार ने अपनी फ्लैगशिप योजनाओं के लिए फंड की कमी नहीं होने दी। महिलाओं के लिए 'विदियाल पयानम' योजना (मुफ्त बस यात्रा) के लिए 4,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। इसके अलावा, छात्रों के लिए बस किराए की योजना हेतु 1,782 करोड़ रुपये और डीजल सब्सिडी के लिए 1,857 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कुल मिलाकर परिवहन विभाग को 13,062 करोड़ रुपये मिले। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए भी सरकार ने 5,463 करोड़ रुपये का बड़ा हिस्सा अलग रखा है। तमिलनाडु में पिछले 4 वर्षों में प्रति परिवार कर्ज तेजी से बढ़कर लगभग 3.7 लाख रुपए तक पहुंच गया है, जो राज्य की गंभीर वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार तमिलनाडु पर देश में सर्वाधिक 8.34 लाख करोड़ रुपये कर्ज है। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश है। इस पर 7.69 लाख करोड़ रुपये कर्जा है। इसी तरह महाराष्ट्र पर 7.22 लाख करोड़, पश्चिम बंगाल पर 6.58 लाख करोड़ रुपये, कर्नाटक पर 5.97 लाख करोड़ रुपये, राजस्थान पर 5.62 लाख करोड़ रुपये, आंध्र प्रदेश पर 4.85 करोड़ रुपये का कर्जा है। गुजरात पर 4.67 लाख करोड़ रुपये, केरल पर 4.29 लाख करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश पर 4.18 लाख करोड़ रुपये, तेलंगाना पर 3.89 लाख करोड़ रुपये, पंजाब पर 3.51 लाख करोड़ रुपये, हरियाणा पर 3.36 लाख करोड़ रुपये, बिहार पर 3.19 लाख करोड़ रुपये और असम पर 1.51 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। वर्ष 2016–17 के बाद कर्ज पर निर्भरता लगातार बढ़ती गई।वोट बैंक की राजनीतिक के कारण ऐसी लोकलुभावन मुफ्त की योजनाओं के कारण छोटा पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश डेब्ट ट्रैप में फंस गया है। आलम यह है कि हिमाचल सरकार के पास लिए गए कर्ज की मूल रकम व उस पर लगने वाले ब्याज को चुकाने के लिए भी पर्याप्त पैसा नहीं है। वहीं, कर्ज लेने की लिमिट सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए है। अगले वित्तीय वर्ष में कर्ज व ब्याज चुकाने के लिए 13 हजार करोड़ चाहिए। अब लोन को चुकाने के लिए मार्केट से कर्ज लेकर भी बात नहीं बन रही और तीन हजार करोड़ रुपए अपने बजट से चुकाने होंगे। सोलहवें फाइनेंस कमीशन की रिपोर्ट में हिमाचल सहित अन्य कुछ राज्यों की रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट (आरडीजी) खत्म कर दी है। इससे हिमाचल सरकार के खजाने पर भारी चोट लगी है। हिमाचल प्रदेश पर कुल देनदारियां 1 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई हैं, जिससे यह पहाड़ी राज्य कर्ज लेने वाले भारतीय राज्यों में 5वें स्थान पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने श्स्टेट फाइनेंसश रिपोर्ट (2025–26) में कहा है कि मुफ्त की ऐसी योजनाओं के चलते राज्यों के बजट पर दबाव बढ़ रहा है। हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में बुनियादी ढांचे (सड़क, स्कूल, अस्पताल) पर खर्च कुल बजट का 10: से भी कम रह गया है। मुफ्त की रेवड़ी बांटने में कोई पीछे नहीं है। केंद्र में बतौर विपक्षी पार्टी आलोचना करने वाली कांग्रेस अपनी सत्ता वाले राज्यों में खुल कर श्रेवड़ियांश बांटती रही है। उसी तरह केंद्र में खुल कर यह काम करने वाली भाजपा, राज्यों में कांग्रेस व अन्य पार्टियों का इसके लिए विरोध करती है।

सम्पादकीय

एआई जनित कला में आत्मा का अभाव

एआई का सबसे घातक प्रभाव रचनात्मकता पर पड़ रहा है। पहले कलाकार, लेखक और संगीतकार अपनी कल्पना से कृतियां रचते थे। अब मिडजर्नी या डैल–ई जैसे टूल्स प्रॉम्प्ट पर चित्र बना देते हैं, वो भी सुंदरता भरे। लेकिन क्या यह रचनात्मकता है? शिखर सम्मेलन में भारतीय कलाकारों ने प्रदर्शन किया कि एआई जनित कला में आत्मा का अभाव है। यह डेटा पर आधारित नकल मात्र है।

अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। स्मार्टफोन से लेकर स्मार्ट होम तक, हर जगह एआई की छाप दिखाई देती है। इस सप्ताह नई दिल्ली में शुरू हुए अंतरराष्ट्रीय एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन में विश्व के नेता और विशेषज्ञ इसी पर चर्चा कर रहे हैं। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य एआई के वैश्विक प्रभावों को समझना और नीतियां बनाना है,

लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या हम एआई को अपनाते हुए अपनी स्वतंत्रता और रचनात्मकता को खो नहीं रहे? एआई ने सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन साथ ही हमें इतना आश्रित बना दिया है कि बिना इसके सोचना भी मुश्किल हो गया है। सोचने वाली बात यह भी है कि कैसे एआई जीवन को सरल बना रहा है, लेकिन रचनात्मकता को नष्ट कर रहा है।

एआई की निर्भरता अब दैनिक जीवन का हिस्सा बन गई है। कल्पना कीजिए, सुबह उठते ही गूगल असिस्टेंट या सिरी आपको मौसम, ट्रैफिक और समाचार बता देता है। कार्यालय में ईमेल लिखने से लेकर डेटा विश्लेषण तक, चौटजीपीटी जैसे टूल्स सब कुछ तुरंत कर देते हैं। भारत में, जहां डिजिटल इंडिया अभियान ने 80 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता पैदा किए हैं, एआई आधारित ऐप्स जैसे उबर, जोमैटो, ब्लिंकिट आदि ने जीवन को अभूतपूर्व सरलता प्रदान की है।

दिल्ली में हुआ अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में अमेरिकी विशेषज्ञों ने बताया कि एआई ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में 15 ट्रिलियन डॉलर का योगदान दिया है, लेकिन यह निर्भरता खतरनाक साबित हो रही है। एक सर्वे के अनुसार, 70त्न युवा बिना एआई टूल्स के रिसर्च नहीं कर पाते। समस्या तब गंभीर हो जाती है जब बिजली चली जाए या इंटरनेट कनेक्टिविटी बाधित हो जाए तो लोग हतप्रभ रह जाते हैं।

यह निर्भरता शिक्षा क्षेत्र में सबसे अधिक दिखाई दे रही है। छात्र अब निबंध लिखने के बजाय एआई से कॉपी–पेस्ट कर लेते हैं। कोटा के कोचिंग संस्थानों से लेकर आईआईटी तक, एआई टूल्स ने होमवर्क को आसान बना दिया, लेकिन समझ की गहराई कम कर दी। शिखर सम्मेलन के एक सत्र में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि एआई जनित सामग्री से छात्रों की आलोचनात्मक सोच 30त्न घटी है। भारत में एनसीईआरटी ने एआई उपयोग पर दिशानिर्देश जारी किए हैं, लेकिन फिलहाल इसका अमल कमजोर है। परिणामस्वरूप, आने वाली पीढ़ी समस्या–समाधान के बजाय श्प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंगश्व सीख रही है, यानी एआई को सही सवाल कैसे पूछें। यह निर्भरता मानसिक आलस्य को जन्म दे रही है, जहां स्वयं सोचने की क्षमता क्षीण हो रही है।

एआई का सबसे घातक प्रभाव रचनात्मकता पर पड़ रहा है। पहले कलाकार, लेखक और संगीतकार अपनी कल्पना से कृतियां रचते थे। अब मिडजर्नी या डैल–ई जैसे टूल्स प्रॉम्प्ट पर चित्र बना देते हैं, वो भी सुंदरता भरे। लेकिन क्या यह रचनात्मकता है? शिखर सम्मेलन में भारतीय कलाकारों ने प्रदर्शन किया कि एआई जनित कला में आत्मा का अभाव है। यह डेटा पर आधारित नकल मात्र है। उदाहरणस्वरूप, बॉलीवुड में एआई स्क्रिप्ट राइटर आ रहे हैं, जो पुरानी फिल्मों के पैटर्न दोहराते हैं। नतीजा? नवीनता का लोप। एक अध्ययन बताता है कि एआई सहायता से बनी कहानियां 40त्न कम मूल होती हैं। लेखन में भी यही समस्यादिखाई दी जाती है। एआई से उत्पन्न संपादकीय या कविताएं सतही लगती हैं, क्योंकि उनमें व्यक्तिगत अनुभव का पुट नहीं।रचनात्मकता नष्ट होने का एक कारण एआई की श्परफेक्शनश्व है। यह त्रुटिरहित उत्तर देता है, जिससे मानव प्रयास कमजोर लगने लगते हैं। कल्पना कीजिए एक चित्रकार को, वह घंटों ब्रश चलाता है, गलतियां सुधारता है और यही प्रक्रिया रचनात्मकता को परिपक्व बनाती है। परंतु एआई में यह संघर्ष नहीं होता। शिखर सम्मेलन के दौरान रिलीज हुई एक रिपोर्ट में कहा गया कि एआई ने वैश्विक पेटेंट आवेदनों में 25त्न वृद्धि की, लेकिन अधिकांश श्इंक्रीमेंटलश्व हैं, यानी नई खोजें कम हैं। भारत जैसे विकासशील देश में, जहां स्टार्टअप संस्कृति फल–फूल रही है, एआई निर्भरता नवाचार को कुचल सकती है। उदाहरण के तौर पर, फिनटेक क्षेत्र में एआई एल्गोरिदम ऋण स्वीकृति करते हैं, लेकिन सृजनात्मक समाधान गायब हैं।इसके अलावा, एआई नैतिक दुविधाओं को भी जन्म दे रहा है। डीपफेक वीडियो से राजनीतिक हेरफेर भी हो रहे हैं। 2024 के अमेरिकी चुनावों में एआई ने काफी अफवाहें फैलाईं। इसे देखते हुए भारत में भी आगामी चुनावों से पहले सतर्कता बरतना सार्थक बन जाता है। शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने एआई के श्जिम्मेदार उपयोगश्व पर जोर दिया, लेकिन निर्भरता रोकने के उपाय कम चर्चित हुए।

प्रधानमंती नरेंद्र मोदी की इजरायल याता के कूटनीतिक निहितार्थ

देखा जाए तो यह 2017 के बाद पीएम मोदी की दूसरी इजरायल यात्रा 2026 में हुई, जो द्विपक्षीय व्यापार को कई अरब डॉलर तक ले जाने में सहायक सिद्ध हुई। जहां तक इस यात्रा के रणनीतिक महत्व की बात है तो यह यात्रा बढ़ते ईरान–अमेरिका तनाव और अमेरिकी नौसेना की तैनाती के बीच हुई, जो इजरायल को मजबूती प्रदान करती है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया इजरायल यात्रा भारत–इजरायल संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो वैश्विक भू–राजनीति में बदलते समीकरणों को दर्शाती है। यह यात्रा पश्चिम एशिया की अस्थिरता के बीच रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देती है। इस बार मोदी ने इजरायल संसद केनेसेट को संबोधित किया, जहां उन्होंने 7 अक्टूबर 2023 हमले के बाद भारत के इजरायल समर्थन की पुष्टि की और ईरान द्वारा शह प्राप्त हमास की मानवता द्रोही कार्रवाई की भर्त्सना की। इसके अलावा, नेतन्याहू के साथ द्विपक्षीय वार्ता में रक्षा, व्यापार और आतंकवाद विरोधी सहयोग पर जोर दिया।देखा जाए तो यह 2017 के बाद पीएम मोदी की दूसरी इजरायल यात्रा 2026 में हुई, जो द्विपक्षीय व्यापार को कई अरब डॉलर तक ले जाने में सहायक सिद्ध हुई। जहां तक इस यात्रा के रणनीतिक महत्व की बात है तो यह यात्रा बढ़ते ईरान–अमेरिका तनाव और अमेरिकी नौसेना की तैनाती के बीच हुई, जो इजरायल को मजबूती प्रदान करती है। वहीं नेतन्याहू का प्रस्तावित श्हेक्सागनश गठबंधन (भारत, इजरायल, ग्रीस, साइप्रस आदि) चीन–पाकिस्तान–तुर्की धुरी के विरुद्ध एक रणनीतिक संतुलन भी बनाता है। यह वैश्विक कूटनीति में नहले पर दहले की तरह समझा जा रहा है।जिस तरह से भारत, इजरायल का सबसे बड़ा हथियार खरीदार बन चुका है, उससे दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व की सुरक्षा का समीकरण प्रभावित होना स्वाभाविक है। इससे अमेरिका, चीन, रूस और यूरोपीय देशों को भी भारत की कूटनीतिक स्वायत्तता का एहसास हुआ है, जो भारत को एशिया की दूसरी और दुनिया की तीसरी–चौथी महत्वपूर्ण शक्ति बनाने की दिशा में सक्रिय है।जहां तक इस यात्रा के आर्थिक आयामों की बात है तो दोनों देशों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (थ्ज्।) पर सकारात्मक चर्चा हुई, जो दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए गेम–चेंजर साबित हो सकता है। खासकर प्डम्ब् कॉरिडोर (भारत–मध्य पूर्व–यूरोप) पर न्।म् के साथ त्रिपक्षीय सहयोग से वैश्विक व्यापार को एक नया आकार मिलने की संभावना है। वहीं कृषि, जल प्रबंधन और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में इजरायली विशेषज्ञता भारत के विकास को काफी बढ़ावा देगी।शायद यही वजह है कि अरब जगत में खलबली मची है और इस्लामिक कट्टरता को हवा देने वाले पश्चिमी और पूर्वी देशों में बेचैनी भी। इस प्रकार की वैश्विक प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। जहां मोदी की इजरायल यात्रा से इस्लामी देशों की मीडिया में खलबली मची, क्योंकि यह श्इस्लामी उग्रवादश विरोधी एक्सिस का संकेत माना गया। वहीं फिलिस्तीन समर्थन बनाए रखते हुए अमेरिका को सिग्नल देते हुए भारत ने ग्लोबल साउथ में संतुलित भूमिका निभाई,। वहीं इस यात्रा ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की वैश्विक छवि को मजबूत किया, जो गाजा संकट के बीच चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं कि आए दिन बढ़ते वैश्विक इस्लामिक कट्टरता परस्त आतंकवाद, भीड़ हिंसा और लक्षित हमलों से भारत और इजरायल दोनों को खतरा है, इसलिए उनकी पारस्परिक और लाभप्रद एकजुटता भारत–इजरायल विरोधी देशों को चुभती रहती है। चूंकि भारत और इजरायल के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध 1992 में स्थापित हुए, जबकि भारत ने 1950 में ही इजरायल को मान्यता दी थी। खासकर मोदी सरकार के नेतृत्व में 2014 से द्विपक्षीय संबंध तेजी से मजबूत हुए, जिसमें उच्च स्तरीय यात्राएं और रक्षा–सहयोग प्रमुख रहे। इससे द्विपक्षीय लाभ में वर्ष दर वर्ष बढ़ोतरी दृष्टिगोचर हुई। रक्षा और सुरक्षा सहयोग के मद्देनजर इजरायल भारत का प्रमुख रक्षा आपूर्तिकर्ता है, जो ड्रोन, मिसाइल और खुफिया प्रणालियां प्रदान करता है। दोनों देश आतंकवाद विरोधी प्रयासों में एकजुट हैं, जो सीमा–पार खतरों से निपटने में सहायक सिद्ध होता है। जहां तक आर्थिक और तकनीकी साझेदारी की बात है तो व्यापार में भारत इजरायल का एशिया में दूसरा सबसे बड़ा साझेदार है, जिसमें कृषि, जल प्रबंधन, एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग शामिल हैं। प्2न्2 (भारत, इजरायल, यूएई, अमेरिका) और प्डम्ब् जैसे मंच आर्थिक गलियारों को बढ़ावा देते हैं।भारत–इजरायल की दोस्ती से भू–राजनीतिक प्रभाव भी बढ़ा है। यह दोस्ती जहां चीन की मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया में बढ़ती प्रभाव को संतुलित करने में मदद करती है। वहीं ईरान–प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक ध्रुव बनाकर स्थिरता सुनिश्चित होती है, जबकि भारत फिलिस्तीन समर्थन बनाए रखता है। इससे वैश्विक मंचों पर भी सामंजस्य बढ़ा है। खासकर संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर दोनों आतंकवाद–विरोध और सुधारों पर सहमत हैं। 2026 में संयुक्त कार्ययोजना से कूटनीति, साइबर और संस्कृति में सहयोग बढ़ेगा। यह भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूत करता है। भारत–इजरायल संबंधों को प्2न्2 गठबंधन ने नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। यह समूह (भारत, इजरायल, यूएई, अमेरिका) दोनों देशों के बीच सहयोग को बहुपक्षीय रूप प्रदान करता है।

अर्थव्यवस्था का एक नया नजरिया - भारत के जीडीपी के आधार में संशोधन को समझना

श्री सौरभ गर्ग

सकल घरेलू उत्पाद या जीडीपी किसी देश की अर्थव्यवस्था के आकार और उसकी सेहत को आंकने का एक तरीका है। यह एक राष्ट्र का वह रिपोर्ट कार्ड है, जो हमें बताता है कि वह देश वस्तुओं और सेवाओं के लिहाज से कितना उत्पादन कर रहा है। जब जीडीपी बढ़ रही होती है, तो आमतौर पर इसका मतलब होता है कि कारोबार जगत वस्तुओं एवं सेवाओं का अधिक उत्पादन कर रहा है, अधिक संख्या में लोगों को रोजगार मिल रहा है और आय बढ़ रही है। वैश्विक स्तर पर भी जीडीपी का बेहद महत्व होता है। वर्तमान में भारत विश्व की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है और अनुमान है कि 2030 तक यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

अर्थव्यवस्था को मापने के एक साधन के रूप में, जीडीपी को अर्थव्यवस्था की सही नब्ज को पहचानने के उद्देश्य से नियमित रूप से संशोधित करते रहने की जरूरत होती है। इस काम को बदलती अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बनाए रखने के इरादे से जीडीपी के आधार वर्ष को नियमित अंतराल पर अद्यतन करके पूरा किया जाता है। जैसे–जैसे अर्थव्यवस्था के स्वरूप बदलता जाता है और नए उद्योग उभरते हैं, उपभोग के पैटर्न बदलते हैं तथा आंकड़ों के नए स्रोत विकसित होते हैं, इन संशोधनों से आधिकारिक आंकड़ों को असली हकीकतों के अनुरूप ढालने में मदद मिलती है और अनुमान अधिक सटीक व ठोस बन जाते हैं।

आधार में पिछले संशोधन के बाद से आंकड़ों के नए स्रोतों की उपलब्धता ने हमें जीडीपी में अलग–अलग सेक्टरों और अलग–अलग क्षेत्रों के योगदानों को अधिक स्पष्ट रूप से देखने और बेहतर तरीकों को अपनाने में मदद की है। उदाहरण के लिए, अनौपचारिक क्षेत्र को भी व्यापक रूप से कवर करने वाले गैर–निगमित क्षेत्र द्वारा मूल्य वर्धन का अनुमान लगाने में संदर्भ में।

जीडीपी के आधार में पिछले संशोधन के बाद से, कंपनियों के प्रबंधन एवं प्रशासन संबंधी आंकड़े (एमजीटी–7ध्7ए) जैसे कुछ नए किस्म के आंकड़े उपलब्ध हुए हैं। ये आंकड़े कंपनियों द्वारा की जाने वाली व्यावसायिक गतिविधियों की संख्या, एनआईसी 2008 के अनुसार व्यावसायिक गतिविधि के विवरण और प्रत्येक वर्ष प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि (उद्योग) से प्राप्त प्रतिशत कारोबार (टर्नओवर) की जानकारी प्रदान करते हैं। इसलिए, आधार का पुनर्निर्धारण करते समय बहु–गतिविधियों वाले उद्यमों के लिए मूल्यवर्धन को अब पहले की तरह पूरी तरह से मुख्य गतिविधि को आवंटित करने के बजाय नए उपलब्ध एमजीटी–7 के आंकड़ों के आधार पर विभिन्न गतिविधियों में आवंटित किया जाता है। इस बदलाव से हमें अलग–अलग सेक्टरों के योगदानों को अधिक सटीक रूप से समझने में मदद मिलती है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि अर्थव्यवस्था को किस प्रकार संचालित कर रही है।

जिस प्रकार कंपनी स्तर के नए आंकड़े हमें अलग–अलग सेक्टरों के योगदानों को अधिक सटीक रूप से मापने में मदद करते हैं, ठीक वैसे ही नई श्रृंखला में जीएसटी आंकड़ों के बेहतर उपयोग से अन्य बातों के अलावा, निजी कॉरपोरेट सेक्टर से संबंधित क्षेत्रीय आवंटन में सुधार और राज्य स्तर पर व्यय–पक्ष के अनुमानों के बेहतर संकलन के जरिए जीडीपी में क्षेत्रीय योगदानों का अधिक सटीक और सूक्ष्म दृष्टिकोण हासिल होता है।

एएसयूएसई और पीएलएफएस जैसे सर्वेक्षणों से हासिल वार्षिक आंकड़ों की उपलब्धता, जिसकी सुविधा पहले नहीं थी, ने हमें गैर–निगमित क्षेत्र द्वारा वार्षिक रूप से मूल्यवर्धन का अनुमान लगाने की एक बेहतर पद्धति अपनाने में समर्थ बनाया है। पहले हम अन्य संकेतकों से अप्रत्यक्ष रूप से जीडीपी में इसके योगदान का अनुमान लगाते थे। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि लाखों घरेलू व्यवसायों, छोटी दुकानों और स्वरोजगार श्रमिकों से मिलकर बना यह सेक्टर अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है और रोजगार एवं आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जीडीपी के आधार में संशोधन महज आंकड़ों के नए स्रोतों के उपयोग से कहीं आगे की बात है। यह कार्यप्रणाली में सुधार से भी जुड़ा है और इस संदर्भ में, जीडीपी की नई श्रृंखला में कई कार्यप्रणालीगत सुधार देखे गए हैं।

पहले, कीमतों में बदलाव के अनुसार जीडीपी को समायोजित करने की दोहरी अपस्फीति (डबल डिफ्लेशन) विस्तृत विधि सिर्फ कृषि क्षेत्र में ही लागू होती थी। वर्ष 2022–23 की नई श्रृंखला में दोहरी अपस्फीति विधि का विस्तार करके इसे मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र तक ले आया गया है, जहां अब पर्याप्त आंकड़े उपलब्ध हैं और अन्य सभी क्षेत्रों में एकल बहिर्वेशन (सिंगल एक्सट्रपलेशन)ध् मात्रात्मक बहिर्वेशन (वॉल्यूम एक्सट्रपलेशन) विधि का उपयोग किया जाता है। यह दृष्टिकोण उपलब्ध आंकड़ों का सर्वोत्तम उपयोग करता है, जिससे अनुमान सटीक और विश्वसनीय बने रहते हैं। दोहरी अपस्फीति में बहुत अधिक आंकड़ों की आवश्यकता होती है, क्योंकि इसके लिए आउटपुट और इनपुट दोनों की कीमतों पर विस्तृत जानकारी की जरूरत होती है। जैसे–जैसे समय के साथ यह आंकड़ा और अधिक उपलब्ध होता जाएगा, हम इसके उपयोग का विस्तार और अधिक क्षेत्रों में कर सकेंगे।

कार्यप्रणाली की दृष्टि से एक उल्लेखनीय सुधार यह है कि अर्थव्यवस्था के अनुमानों को उत्पादित वस्तुओं (उत्पादन पक्ष) और लोगों एवं कारोबार जगत द्वारा किए गए व्यय (खर्च पक्ष) के आधार पर ढाला गया है। ये दोनों पक्ष अक्सर पूरी तरह से मेल नहीं खाते, जो कि दुनिया के तमाम देशों में और खासकर तिमाही जीडीपी के मामले में, एक आम समस्या है। इस समस्या को दूर करने के उद्देश्य से नई श्रृंखला में श्आपूर्ति एवं उपयोग सारणीश्व के ढांचे का उपयोग किया जा रहा है ताकि प्रारंभिक अनुमानों में विसंगतियों को सीमित किया जा सके और अंतिम अनुमानों के समय पूरे आंकड़े उपलब्ध होने पर उन्हें पूरी तरह से दूर किया जा सके।

जीडीपी के आंकड़ों को अद्यतन करना अर्थव्यवस्था को और भी स्पष्ट नजरिए से देखने जैसा है। हर आर्थिक गतिविधि, चाहे छोटी हो या बड़ी, स्पष्ट रूप से सामने आती है और राष्ट्र के विकास में उसके योगदान का सटीक तरीके से उजागर होता है। बेहतर आंकड़ों का उपयोग करके, विधियों को परिष्कृत करके और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के अनुरूप ढलकर, मंत्रालय ने अर्थव्यवस्था को और भी स्पष्ट रूप से पेश किया है।

आज का राशिफल

मेष राशि–
मेष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। राजनीति से जुड़े लोगों का सामाजिक स्तर पर रूतबा बढ़ेगा।

वृष राशि–
वृष राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। किसी दूसरे की ज्यादा आलोचना करने से आज आपको बचना चाहिए, नहीं तो परिस्थितियां आपके विपरीत बनेगी।

मिथुन राशि–
मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आप अपने डेली रूटीन में बदलाव करने की कोशिश करेंगे, जिससे आपको फायदा होगा।

कर्क राशि–
कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप काम के प्रति बेहद एक्टिव रहेंगे। आप खुद को ताजगी से भरा हुआ महसूस करेंगे।

सिंह राशि–
सिंह राशि वालों आज का दिन आपके पक्ष में रहने वाला है। आज आर्थिक मामलों को लेकर आपको थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। आज आप जॉब चेंज करने का मन बनायेंगे।

कन्या राशि–
कन्या राशि वालों आज आपका दिन सफलता दिलाने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपसी विश्वास और सहजता के सहारे आपके रिश्तों में मजबूती आयेगी।

तुला राशि–
तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपके चुलबुले व्यवहार से लोग प्रभावित होंगे।

वृश्चिक राशि–
वृश्चिक राशि वालों आज खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज नया व्यवसाय शुरू करने का अवसर मिलेगा। धनु राशिरू धनु राशि वालों आज आपका दिन भाग्यशाली रहने वाला है।

मकर राशि–
मकर राशि वालों आज किसी काम को करते समय आपको अपने मन को शांत रखना चाहिए। आज पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच समझकर लेने चाहिए।

कुंभ राशि–
कुंभ राशि वालों आज किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा, लेकिन मेहनत जारी रखने की आवश्यकता है।

मीन राशि–
मीन राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने में सफल होंगे।

मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन ने उत्तर प्रदेश में सब्जियों की कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने के लिए शुरू किया फार्म-स्तरीय समाधानों का पायलट प्रोजेक्ट

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में लगभग 30द्40: सब्जियां उपभोक्ताओं तक पहुंचने से पहले ही नष्ट हो जाती हैं– ऐसा इसलिए नहीं होता कि मांग कम है, बल्कि कटाई, प्रसंस्करण, परिवहन और बिक्री के बीच के महत्वपूर्ण दिनों में उपज खराब हो जाती है। छोटी जोत वाले किसानों के लिए, यह नुकसान सीधे तौर पर आय में गिरावट, मजबूरी में बिक्री और पहले से ही अस्थिर ग्रामीण बाजारों में कमजोर सौदेबाजी क्षमता में बदल जाता है। इस तात्कालिक और अपेक्षाकृत कम ध्यान देने वाली चुनौती के समाधान के लिए, मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन (एमआईएफ) ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी और मिर्जापुर में एक जमीनी स्तर की एग्री पायलट परियोजना शुरू की है। इसका उद्देश्य सब्जी मूल्य श्रृंखला में फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करना और एक ऐसा मॉडल तैयार करना है जिसे भारत के उच्च हानि वाले कृषि क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर लागू किया जा सके। यह पायलट प्रोजेक्ट नवाचार और उसके वास्तविक उपयोग के बीच की खाई को पाटने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, ताकि किसानों की पहुंच व्यावहारिक और किफायती समाधानों तक हो सके, जो उनकी आय को बढ़ाने और अपव्यय कम करने में सहायक हों। यह पायलट प्रोजेक्ट 30 गांवों में फैला हुआ है और 1,000 से अधिक किसान इससे जुड़े है, जो टमाटर, बैंगन और फूलगोभी जैसी अत्यधिक जल्दी खराब होने वाली फसलों पर केंद्रित है। ऐसी फसलें जो उन क्षेत्रों में विशेष रूप से कमजोर होती हैं जहां कोल्ड स्टोरेज, पैकिंग हाउस या एकत्रीकरण बुनियादी ढांचे तक सीमित पहुंच होती है। स्थानीय स्तर पर फसल कटाई के बाद विकल्पों की कमी के कारण, किसान अक्सर बाजार की मांग या कीमत की परवाह किए बिना तुरंत बेचने के लिए मजबूर होते है, जिससे अपव्यय और आय में कमी दोनों होती है। वाराणसी और मिर्जापुर ऐतिहासिक रूप से कटाई के बाद की बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझते रहे हैं, जहां अधिकांश छोटी जोत वाले किसान अपनी उपज की बिक्री के लिए स्थानीय एग्रीगेटर्स, बिचौलियों और ग्रामीण हाटों पर निर्भर हैं। हालांकि सब्जियों को आमतौर पर 3–7 दिनों तक सुरक्षित रखा जा सकता है, लेकिन किसानों के पास उपज के भंडारण की सीमित क्षमता होती है और वे कटाई के बाद जल्दी बेचने के लिए मजबूर होते हैं। एमआईएफ के क्षेत्रीय अनुसंधान से एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है– समस्या किसानों की जागरूकता या इच्छाशक्ति की नहीं, बल्कि समाधानों की सुलभता की है। हालांकि किसान फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को जानते है और बर्बादी को कम करने के उपायों की लगातार तलाश में रहते हैं, फिर भी किफायती और आसानी से उपयोग की जाने वाली तकनीकें अधिकांश ग्रामीण समुदायों की पहुंच से बाहर हैं। इसी आधार पर, एमआईएफ ने पांच स्टार्टअप्स और छह फसल कटाई के बाद की तकनीकों का एक पोर्टफोलियो तैयार किया है जो खेत और गांव के स्तर पर भंडारण, प्रबंधन और शेल्फ–लाइफ में सुधार से संबंधित प्रमुख चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करते हैं। किफायती, व्यावहारिक और अपनाने में आसान होने के आधार पर चयनित इन समाधानों को जमीनी स्तर पर प्रदर्शन और किसानों के साथ सीधे सहभागिता के माध्यम से पेश किया जा रहा है, जिससे किसान वास्तविक कृषि परिस्थितियों में उनकी उपयोगिता का आकलन कर सकें। जमीनी स्तर पर इसको कार्यान्वयन भागीदार, समुन्नति फाउंडेशन द्वारा लागू किया जा रहा है, जिसे उत्तर प्रदेश में अपनी मजबूत जमीनी उपस्थिति और किसान नेटवर्क का लाभ मिल रहा है। पायलट प्रोजेक्ट शुरू हो चुका है, जिसमें वर्तमान में किसानों को संगठित करने, आधारभूत आकलन करने और क्षेत्र से मिले रीयल–टाइम फीडबैक पर ध्यान दिया जा रहा है। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन की प्रमुख सुरंजना घोष ने कहा, "फसल कटाई के बाद होना वाला नुकसान भारतीय कृषि में सबसे स्थायी और आर्थिक रूप से हानिकारक चुनौतियों में से एक हैं। इस समस्या की जटिलता नवाचार की कमी में नहीं, बल्कि नवाचार और उसके अपनाने के बीच का अंतर है। इस पायलट प्रोजेक्ट के जरिए हम वाराणसी और मिर्जापुर के किसानों के साथ मिलकर यह समझने की कोशिश कर रहे है कि आर्थिक, परिचालन और व्यवहारिक रूप से कौन से समाधान वास्तव में जमीनी स्तर पर प्रभावी सिद्ध होते हैं। हमारा उद्देश्य एक ऐसा स्केलेबल मॉडल बनाना है जिसे पूरे भारत में दोहराया जा सके, जिससे अपव्यय में कमी लाने में मदद मिले और साथ ही किसानों की आय पर सार्थक प्रभाव पड़े।" अगले कुछ महीनों में, यह पायलट प्रोजेक्ट फसल कटाई के बाद प्रबंधन में सुधार, नुकसान में कमी, विपणन योग्य उपज में वृद्धि और बेहतर मूल्य प्राप्ति पर नजर रखेगा, ताकि किसानों की आय पर इसके समग्र प्रभाव का आकलन किया जा सके। इसका उद्देश्य भविष्य में विस्तार के लिए मॉडल को मजबूत करने के लिए अपनाने के स्तर, समाधानों के निरंतर उपयोग, संतुष्टि स्तर और भुगतान करने की इच्छा जैसे पहलुओं का मूल्यांकन करना भी है। यह अनुमान है कि 20–25: किसान फसल कटाई के बाद के इन समाधानों को अपनाएंगे, और किसान उत्पादक कंपनियां (एफपीसी) इनके प्रसार और विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इन उपायों से आपूर्ति श्रृंखला में होने वाले नुकसान और अपव्यय में 20–30: की कमी आने की संभावना है। इसके साथ उपज की शेल्फ लाइफ 3–5 दिनों तक बढ़ाते हुए पायलट प्रोजेक्ट का लक्ष्य किसानों को बेहतर बाजार मूल्य प्राप्त करने और कटाई के तुरंत बाद बिक्री के दबाव को कम करना है।फसल कटाई के बाद के प्रबंधन को मजबूत बनाकर और गांव स्तर पर व्यावहारिक समाधानों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए, यह पहल फसल के नुकसान में कमी, किसानों की आय में सुधार करने के साथ ऐसा व्यापक दृष्टिकोण बनाने में सहायक होगी जिसे भविष्य में अन्य क्षेत्रों में भी लागू किया जा सके। मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन के बारे में हर्ष मारीवाला द्वारा 2003 में स्थापित, मारिको इनोवेशन फाउंडेशन (एमआईएफ) नवाचारों को प्रोत्साहित और बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

जिलाधिकारी ने जिला पर्यावरणीय समिति, जिला गंगा समिति एवं भारतीय वन अधिनियम धारा 4 एवं धारा-20 वन भूमि के अमलदरामद के सम्बंध बैठक कर की समीक्षा

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यावरणीय समिति, जिला गंगा समिति एवं भारतीय वन अधिनियम 1927 द्वारा विज्ञपित धारा 4 एवं धारा–20 वन भूमि के अमलदरामद सम्बन्धी बैठक आहूत की गई। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी, मीरापुर राकेश कुमार, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) विजेता, अपर जिलाधिकारी, भू–राजस्व अजय कुमार सिंह, उप प्रभागीय वनाधिकारी, चुनार, उपायुक्त श्रम रोजगार (मनरेगा), जिला पंचायतराज अधिकारी, अधिसाशी अधिकारी, नगर पालिका, मीरजापुर, सिंचाई विभाग एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगण, कर्मचारीगण उपस्थित रहें। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा जनपद में आगामी वर्षाकाल 2026 में प्रस्तावित वृक्षारोपण महाअभियान के तैयारियों की समीक्षा की गयी तथा आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत किये गयें। जिलाधिकारी द्वारा वृक्षारोपण कार्य में बरती जाने वाली सावधानियों एवं वृक्षारोपण स्थलों का शतप्रतिशत जीओ टैगिंग हेतु कार्य योजना बनाने हेतु सभी विभागों को निर्देशित किया गया। पौधों का चयन, सुरक्षा व्यवस्था एवं रख–रखाव हेतु विशेष प्रयास करने हेतु सभी विभागों को निर्देशित किया गया। कृषकों को फलदार एवं इमरती लकड़ी वाली प्रजातियों को पौध वितरण में शामिल करने तथा जैव विविधता को संरक्षित करने हेतु पीपल, पाकड़, गुलर, बरगद, नीम, महुगनी, जामुन इत्यादि प्रजातियों को कार्य योजना में शामिल करने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि मैनेजमेन्ट प्लान एवं डीपीआर तैयार किये जाये तथा ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबन्धन, कन्सट्रक्शन एण्ड डिमालिशन वेष्ट प्रबन्धन, हेतु सम्बन्धित विभागों द्वारा प्रस्तुत अनुपालन आख्या का परीक्षण किया गया एवं सम्बन्धित विभागों द्वारा किये जा रहे अपशिष्ट प्रबन्धन के कार्यों को समाहित करते हुए रिपोर्ट जिला गंगा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाये। साथ ही गंगा नदी में मिलने वाले नालों एवं एसटीपी की भी समीक्षा की गयी तथा जिला गंगा समिति द्वारा दर्शाये गया झमल प्नमे पर भी प्रगति ली गयी। साथ ही गड़ई, ढोका, खजुरी एवं लोंहदी नदी की सिल्ट सफाई तथा तटबन्धी को मजबूत करने हेतु सिंचाई विभाग को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा वन भूमि की अमलदरामद की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की गयी। मीरजापुर जनपद में भारतीय वन अधिनियम–1927 की धारा 4 एवं धारा–20 अन्तर्गत अधिसूचित आरक्षित वन भूमि को अभिलेखों में अवशेष अमलदरामद हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया तथा राजस्व विभाग एवं वन विभाग द्वारा समन्वय स्थापित कर उक्त कार्य को शीघ्र पूर्ण कर पुनः प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मध्य-प्रदेश निवासी बाइक सवार किसान की हुई मौत

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित बरम बाबा मोड़ से दो सौ मीटर आगे लहुरियादह गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार किसान की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच कर मृतक के जेब में मिले आधार कार्ड से शव की शिनाख्त की। पुलिस ने घटना की सूचना मध्यप्रदेश पुलिस व परिजनों को दी। मध्यप्रदेश के मऊगंज जिले के सलैया गांव निवासी 55 वर्षीय सुरेश कुमार पांडेय हलिया क्षेत्र के खोदाईपुर गांव निवासी अपने बहनोई चंद्रिका प्रसाद मिश्र के यहां श्रीमद्भागवत कथा के भंडारा व व्रतबंध कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शुक्रवार दोपहर में बाइक से आए थे। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद बाइक से घर जाने के लिए निकले थे जैसे ही नेशनल हाईवे पर लहुरियादह गांव के पास पहुंचे तो पीछे से किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। बाइक सवार किसान का सिर अज्ञात वाहन के पहिए के नीचे कुचलने से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घटना के बाद टक्कर मारने के बाद अज्ञात वाहन चालक भाग निकला। सूचना पर पहुंचे एसआई सुभाष यादव,एसआई रामविशाल हेड कांस्टेबल घनश्याम यादव ने घटना की जांच पड़ताल करते हुए मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी।साले की मौत की खबर पाकर ड्रमंडगंज थाने पहुंचे मृतक के बहनोई चंद्रिका प्रसाद मिश्र ने बताया कि सुरेश कुमार पांडेय घर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बाइक से आए थे। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर जा रहे थे कि रास्ते में दुर्घटना का शिकार हो गए। मृतक खेती किसानी कर परिवार का जीविकोपार्जन करते थे। मृतक को तीन पुत्र हैं जिनमें दो अविवाहित हैं। थानाध्यक्ष भारत सुमन ने बताया कि मध्यप्रदेश निवासी बाइक सवार की अज्ञात वाहन की टक्कर से घटना स्थल पर ही मौत हो गई है।

21वें वार्षिक क्रीड़ा समारोह का हुआ शुभारंभ

लालगंज, मीरजापुर। खेल मैदान में उत्साह, ऊर्जा और प्रतिस्पर्धा का संगम उस समय देखने को मिला जब श्रीमती इंदिरा गांधी राजकीय पीजी कॉलेज में शुक्रवार को 21वें वार्षिक क्रीड़ा समारोह का शुभारंभ हुआ। उच्च शिक्षा उपनिदेशक डॉ कृष्णकांत गिरी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिताओं की शुरुआत कराई। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने कहा कि केवल मानसिक विकास ही पर्याप्त नहीं है बल्कि शारीरिक सुदृढ़ता भी युवाओं के समग्र व्यक्तित्व निर्माण का आधार है। उन्होंने कहा कि आज खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि करियर की ठोस राह बन चुका है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी देश का नाम रोशन कर रहे हैं। ऐसे में छात्र–छात्राओं को पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों में भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। विशिष्ट अतिथि के रूप में पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय के वनस्पति विभाग के डॉ संतोष कुमार सिंह ने कहा कि महाविद्यालय केवल पाठ्य पुस्तकों तक सीमित संस्था नहीं है बल्कि यह वह मंच है जहां विविध गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखारती हैं और उनके भविष्य की दिशा तय करती हैं। खेलकूद से अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षाता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अजीत प्रताप सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि वार्षिक क्रीड़ा समारोह छात्र–छात्राओं के व्यक्तित्व का दर्पण होता है। मैदान में दिखाई देने वाला आत्मविश्वास ही जीवन की बड़ी चुनौतियों से जूझने की ताकत देता है। पहले दिन 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें वीरेंद्र ने प्रथम, रविदास ने द्वितीय और ज्योति अरुण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को अतिथियों ने बधाई दी और आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम का संचालन डॉ देवेंद्र नाथ गिरी ने किया जबकि स्वागत भाषण डॉ शिवधर सिंह ने प्रस्तुत किया।

पुराने टायर की दुकान में अज्ञात कारणों से लगी आग, हजारों का नुकसान

लालगंज, मीरजापुर। रीवा मीरजापुर हाईवे पर स्थित बामी गांव में शुक्रवार दोपहर बाद एक पुराने टायर की दुकान में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग इतनी बिकराल रूप धारण कर चुकी थी कि नागरिकों की भारी भीड़ लग गई। संयोग ठीक था कि बगल में एचपी पेट्रोल पंप था अगर आग की लपेट पेट्रोल पंप पर पहुंच जाती तो बहुत बड़ी घटना घट सकती थी। बताया गया कि सैयद उर्फ भगन्तु की दुकान में अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिस समय आग लगी उस समय दुकानदार कई लोगों के साथ जुम्मे की नमाज अदा करने गए थे। आग की लपेट व धुएं का गुब्बारे देख कई गांवों के लोग मौके पर पहुंचे। हालांकि पेट्रोल पंप से समरसेबुल पंप चलवाकर आग पर काबू पाया गया। आग लगने की जानकारी मिलते ही डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची। दुकानदार ने बताया कि नए टायर व काम चलाऊं टायर रखा था। जिसमें अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग लगने से कई टायर जलकर राख हो गए।

बजाज चीनी मिल कुन्दरखी ने निकाली ×षक जागरूकता रैली

गोण्डा बजाज हिन्दुस्थान शुगर मिल लिमिटेड कुन्दरखी के महाप्रबंधक ए.के. सिंह के निर्देशन में बसंतकालीन गन्ना बुवाई में अस्वीकृत अज्ञात गन्ना प्रजातियों की बुवाई नही करने के लिए एवं किसानों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से वृहद जागरूकता रैली निकाली गई।

रैली को इकाई प्रमुख पी.एन. सिंह, जिला गन्ना अधिकारी सुनील कुमार सिंह व महाप्रबंधक ए.के. सिंह ने संयुक्त रूप से झंडी दिखाकर रवाना किया। कृषक जागरूकता रैली का मुख्य उद्देश्य किसानों को बसंतकालीन गन्ना बुवाई में उन्नतशील प्रजातियों जैसे को. 0118, 15023, को. लख. 14201, 16202, कोशा. 18231, 17231 तथा जलप्लावित क्षेत्र के लिए 94184, को. 98014, 13231 आदि की बुवाई के लिए प्रेरित करना है। महाप्रबंधक ने समय से बुवाई कर पेड़ी गन्ने का अच्छा प्रबंधन करके अधिक लाभ प्राप्त करने की अपील किया। साथ आर.एमडी. एवं मलचर के प्रयोग पर जोर दिया व फसल स्वस्थ की दशा मे द्वितीय पेडी रखने जोर दिया। इकाई प्रमुख श्री सिंह ने रैली में शामिल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए बसंतकालीन गन्ना बुवाई के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने रैली के सफल क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किया। रैली में गन्ना विभाग के प्रतिभागियों ने वाहनों पर झंडी लगाकर क्षेत्र के विभिन्न गांवों में भ्रमण किया। रैली चीनी मिल गेट से निकल कर कहोबा, विद्यानगर, मलारी, महादेवा, इंद्रापुर, सालपुर, जोगापुर, खिरई खिरवा, खिरिया, मझगवां व तुर्काडीहा आदि ग्रामसभा होते हुए बंधवा सेंटर पहुंची, जहां किसान गोष्ठी आयोजित हुई। इसके उपरांत रैली डुमरिहाडीह, तरबगंज व दर्जीकुआं होते हुए वापस चीनी मिल गेट पर पहुंच कर समाप्त हुई।

किसान गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला गन्ना अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने किसानों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए दिए जाने वाले अनुदान के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। उन्होंने कृषकों से उन्नतिशील गन्ना प्रजातियों को बोने की सलाह दिया तथा अस्वीकृत अज्ञात गन्ना प्रजातियों की बुवाई नही करने पर जोर दिया। महाप्रबंधक ए.के. सिंह ने किसानों को बताया कि गन्ना सर्वेक्षण के दौरान गन्ने का जमाव न होने अथवा छोटी अवस्था में ठीक पहचान न होने अथवा मिश्रित गन्ना होने के कारण गन्ना प्रजाति को अंकित करने में त्रुटिया रही हैं, अपने सुपरवाइजर से मिलकर उसे अभी ठीक करा लें। जिससे आगामी वर्ष पेडी गन्ने की आपूर्ति में कठिनाई न हो। आगामी वर्ष गन्ना प्रजाति को डीगरेड नही किया जायेगा।

दिन दहाड़े 18 हजार की ठगी, पुलिस ने एक आरोपी को धर दबोचा

नवाबगंज (गोण्डा) दोपहर मे थाना क्षेत्र के कोल्हमपुर पुलिस चौकी के पास बाजार में कॉस्मेटिक दुकान चलाने वाली महिला से 18 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। घटना की सूचना पर हरकत मे आयी पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ लिया है, जबकि दूसरा फरार होने मे कामयाब हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के मैनपुर गांव निवासनी सुशीला जायसवाल ने कोल्हमपुर चौकी पर दी तहरीर मे बताया कि शुक्रवार सुबह दो युवक उनकी दुकान पर आए और सामान खरीदने लगे। इसी दौरान एक युवक ने सौ–सौ रुपये के नोट देकर 500 रुपये के नोट लेने की बात कही। भरोसा कर उन्होंने कुल 18 हजार रुपये दे दिए। रुपये लेने के बाद दोनों जाने लगे, तभी शक होने पर शोर मचाया गया। स्थानीय लोगों की मदद से एक युवक को पकड़ लिया गया, जबकि दूसरा मौके से भाग निकला।इस तहरीर व घटना के बाबत कोल्हमपुर चौकी प्रभारी उमेश सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है। फरार युवक की तलाश की जा रही है। फिलहाल पुलिस आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुटी है।कोल्हमपुर चौकी से चंद कदम दूर घटी इस टप्पेबाजी की घटना पर स्थानीय लोगों मे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट व मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने तीन दुकानों का लिया नमूना

हलिया, मीरजापुर। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एसडीएम लालगंज महेंद्र सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी एन एन झां के निरीक्षण में सोठिया के एक डेरी फार्म से दूध का सैंपल लिया तथा लालगंज में 6 दुकानों के निरिक्षण में दो दुकानों से नमूना लिया गया है। टीम के दौड़े की भनक लगते ही हलिया कस्बा के दर्जनों दुकानदार शटर गिराकर मालिक फरार हो गए टीम सबसे पहले सोठिया स्थित एक डेरी फार्म पर पहुंचे जहां दूध का सैंपल लिया गया यहाँ खोवा नहीं बनता पाया गया। इसके बाद टीम हलिया कस्बा में छापामारी की लेकिन सोठिया पहुंचते ही लोगों को इसकी भनक लग गई जिसके कारण कस्बे में दर्जनों खाद्यान्न की दुकानों का शटर गिरा कर मालिक भाग खड़े हुए घंटों जांच टीम भटवारी, हथेडा, आदि जगह चक्कर लगाती रही लेकिन किसी का शटर नहीं खुला टीम को पहुंचते ही अफरा तफरी मची रही इस संबंध में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि आगामी होली त्यौहार के मद्देनजर नजर दूध, खोआ, दुकानों पर बन रही मिठाइयों का निरीक्षण किया जा रहा है जिसके तहत तीन दुकानों में रखे खाद्यान्न का नमूना लिया गया है। इस दौरान टीम में बीडीओ विजय शंकर त्रिपाठी, एफ एसो ओम् कारनाथ यादव, संदीप कुमार सिंह मौजूद रहे।

रंगभरी एकादशी पर साधु-संतो ने जमकर खेली होली

अयोध्या। रामनगरी में होली का त्योहार काफी धूमधाम से मनाया जाता है। अयोध्या के 6 हजार मंदिरों में साधु–महंत ठाकुर जी के साथ रंग–गुलाल की होली खेलते हैं। साथ ही नागा साधुओं के नेतृत्व में जुलूस भी निकाला जाता है। रामनगरी में फाल्गुन एकादशी यानि रंगभरी एकादशी से होली का त्योहार शुरू हो जाता है। साधु–महंत अपने मंदिरों के ठाकुर जी के विग्रहों से रंग–गुलाल की होली खेलते हैं। होली का पर्व पूरे देश में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। हनुमानगढ़ी पर नागा साधुओं ने जमकर होली खेली व करतब दिखाए और रामकोट की परिक्रमा भी किया। अवध में होली खेले रघुबीरा भगवान् राम के बारे में होली के खघस अवसर पर गाए जाने वाले उत्तर प्रदेश के इस खघस गीत को सुन कर अवध में खेली जाने वाली होली के स्वरूप और परम्परा का भान हो जाता है। अयोध्या में होली के कई रंग दिखते है। लेकिन रंगभरी एकादशी पर नागा साधू संत की माने तो इस दिन वह किसी और के साथ नहीं बल्कि साक्षात् भगवान श्री राम और हनुमान जी महाराज के साथ ही होली खेलते है। और इस अवसर पर हनुमानगढ़ी के पवित्र निशान के साथ होली के उल्लास में रंग गुलाल खेलते साधू संत करतब दिखाते साधू संत बजे गाजे की धुन झूमते पंचकोसी परिक्रमा भी करते हैं। नागा साधु संत व महंत हनुमान जी के बाल्य रूप विग्रह को अबीर गुलाल चढ़ा कर उनसे प्रतीकात्मक होली खेल कर पूरे मंदिर में ढोल नगाड़े के साथ मस्ती करते हैं। हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत प्रेमदास महाराज के उत्तराधिकारी हनुमत संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य मानस मर्मज्ञ डा महंत महेश दास ने बताया कि रंगभरी होली हनुमानगढ़ी का विशेष पर्व है। इसमें मंदिर के सैकड़ों नागा साधुओं की मंडली हनुमानजी जी के प्रतीक व मंदिर के चिह्न को लेकर गाजे–बाजे के साथ हनुमानगढ़ी से जुलूस निकाल कर सड़कों पर साधुओं की टोली निकलती है।

धर्म सम्राट हनुमानगढ़ी के शीर्ष महंत ज्ञानदास महाराज के उत्तराधिकारी संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास के नेतृत्व में श्रृंगी ऋषि आश्रम पीठाधीश्वर महंत हेमंत दास सौकड़ों नागा साधुओं की अगुवाई करते हुए होली का अबीर गुलाल मंदिर मंदिर लगाते हुए पूरे पंचकोसी में होली का नगाड़ा बजा दिया। संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास ने बताया कि आज रंगभरी एकादशी पर हनुमानगढ़ी पर आज निशान का पूजन किया गया इसके बाद यहां से रंग खेलते हुए पंचकोसी परिक्रमा पर नागा साधु निकलते हैं इस दौरान मार्ग में पढ़ने वाले मंदिरों में भगवान के साथ अबीर गुलाल लगाते होली

ममता दहेज हत्याकाण्ड में जेल में निरुद्ध पति बरी

अयोध्या। राम जन्मभूमि थाना क्षेत्र में नौ साल पहले कम दहेज लाने के मामले को लेकर विवाहिता ममता पर मिट्टी का तेल डालकर नृशंस हत्या करने के बहुचर्चित मामले में जेल की सलाखों के पीछे निरूद्ध आरोपित पति भूपेन्द्र पर अपराध साबित न होने पर बाइज्जत बरी हो गये। यह फैंसला विशेष न्यायाधीश फास्ट ट्रैक प्रथम प्रदीप कुमार ने वादी एवं गवाहों के बयान को सुनने के पश्चात संदेह का लाभ देकर शुक्रवार को दिया है।यह मामला जिले के थाना राम जन्मभूमि अन्तर्गत वशिष्ट कुण्ड का वर्ष 2017 का है। बचाव पक्ष से वरिष्ठ फौजदारी अधिवक्ता वाई.वी. मिश्र ने जोरदार पैरवी किया है। तर्क दिया कि वह निर्दोष है। वादी पक्ष से फर्जी ढंग से नामजद किया है दहेज से कोई लेना देना नहीं है। आरोपित कई साल से जेल में है।

शान्तिभंग में नाम पडने पर पत्रकार ने की सीओ से शिकायत, एसडीएम से भी किया मुलाकात

करनैलगंज फरवरी। थाना परसपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत डेहरास के गांव गदापुरवा में गत 20 दिसम्बर को जब दबंगों द्वारा रास्ते पर लाठी भाला लेकर पिलर गाडा गया। उस वक्त 75 किमी दूर से मात्र सूचना देने के कारण परसपुर थाने के आरक्षी आनन्द सिंह ने पत्रकार रमेश चन्द्र पाण्डेय का नाम भी शान्ति भंग की आशंका में डाल दिया है। जिसकी लिखित शिकायत और अपने अनुपस्थित रहने का सबूत सहित प्रार्थना पत्र क्षेत्राधिकारी करनैलगंज को सम्बोधित उनके दीवान को दिया है। जबकि श्रेत्राधिकारी अभिषेक दवाच्या से फोन पर बात भी किया। इसके बाद उप जिलाधिकारी नेहा मिश्रा से भी मुलाकात कर प्रकरण से अवगत कराया। एसडीएम नेहा मिश्रा ने आश्वासन दिया कि जब नोटिस आयेगी तो सब सबूत के साथ मिलकर बताइएगा। तब कुछ करते हैं। पूर्व थानाध्यक्ष अनुज त्रिपाठी द्वारा जमीनी विवाद में एक पक्षीय कार्रवाई की बात तो प्रकाश में आई ही है, जिसके चलते वह लाइन हाजिर हो गये , परन्तु पत्रकार रमेश चन्द्र पाण्डेय पर शान्ति भंग की कार्रवाई भी शायद उनके इशारे पर ही हुई हो। जिसका भी कारण एकपक्षीय प्राप्त लाभ को डकारना रहा होगा। हालांकि इस बात के कोई पुख्ता प्रमाण तो नहीं है परन्तु जनचर्चा है कि बिना थानाध्यक्ष के इशारे के आरक्षी कोई भी कार्रवाई नहीं कर सकता। वहीं साफ – साफ भाला लिए दबंग की फोटो प्रार्थना पत्र में संलग्न करने पर भी तत्कालीन थानाध्यक्ष अनुज त्रिपाठी ने जमीनी मामला बता कर पल्ला झाड़ लिया था। मार्ग पर पिलर दिखाई देने के बावजूद और बिना किसी राजस्व कर्मी के रास्ते पर कब्जा करने के बावजूद भी तत्कालीन थानाध्यक्ष ने एक बार भी दबंगों को नहीं रोका, बल्कि अपने ही कार्यकाल में पिलर के अतिरिक्त तार फैंसी भी लगवा गये। उधर आरक्षी का ये कथन कि घटना के समय रहे होंगे तभी नाम डाला गया, ये स्पष्ट करता है कि उन्होंने बिना दो – चार लोगों से पूंछे पत्रकार का नाम डाल दिया। यदि ऐसा न होता तो आरक्षी आनन्द सिंह सीधे कहते कि घटना के वक्त आप थे और उस समय का कोई फोटो वीडियो स्वयं निकालते अथवा विपक्षी दबंगों से ले लेते। अब जहां आरक्षी के पास घटना के दिन से लेकर लगातार 03 दिन तक पत्रकार के गांव पर अर्थात घटना स्थल पर होने का कोई सबूत नहीं है वहीं पत्रकार के पास बस से उस तारीख में उतरौला गोण्डा अपने प्रेस कार्ड यात्रा का भी सबूत है और मोबाइल लोकेशन का भी चेलेंज कर रहे हैं।

ट्रस्टी डा. बीके जैन के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर

-53 वर्ष तक सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय में दी सेवाएं
-आज होगा अंतिम संस्कार

चित्रकूट। 53 वर्ष तक सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट में परिवार समेत समर्पण करने वाले पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक और समाजसेवी डॉ. बीके जैन का शुक्रवार शाम चित्रकूट में निधन हो गया। उन्होंने जानकीकुंड चिकित्सालय में शाम 4:24 बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन की पुष्टि सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट परिवार ने की है। डॉ. बुधेन्द्र कुमार जैन छत्तीसगढ़ के रायपुर में स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के अध्यक्ष भी थे। उनके निधन से क्षेत्र में शोक का माहौल है।डॉ. जैन पिछले कई महीनों से बीमार चल रहे थे और उनका इलाज मुंबई में जारी था। स्वास्थ्य में सुधार न होने के कारण उन्हें चित्रकूट लाया गया था। वेंटिलेटर से हटाए जाने के बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही चित्रकूट सहित पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। डॉ. बीके जैन ने अपना पूरा जीवन गरीबों, संत समाज और नेत्र रोगियों की सेवा को समर्पित किया। उनके नेतृत्व में सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के माध्यम से करोड़ों लोगों की आंखों का इलाज किया गया। दूर–दराज के गांवों से आने वाले जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क या बेहद कम खर्च में उपचार उपलब्ध कराना उनकी सेवा भावना का प्रमुख उद्देश्य था। डॉ. जैन, स्वामी रणछोड़ दास महाराज के .पा पात्र थे। स्वामी जी के मार्गदर्शन से प्रेरित होकर उन्होंने चित्रकूट को सेवा और चिकित्सा का प्रमुख केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके प्रयासों से यहां नेत्र चिकित्सा और सामाजिक सेवा की कई बड़ी योजनाएं शुरू हुईं, जिनसे लाखों लोगों को नई रोशनी मिली। डा बुधेन्द्र कुमार जैन महाराष्ट्र प्रांत में पांच दिसम्बर 1948 को जन्मे थे। 78 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। 1970 में चित्रकूट में आए और संत रणछोड़दास महाराज के सानिध्य में आकर नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में समर्पित हो गए।उनकी सादगी, सेवा भावना और समर्पण के कारण संत समाज, सामाजिक संगठनों और आम लोगों के बीच उनका विशेष सम्मान था। भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री सम्मान से भी अलं.त किया था। सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट से जुड़े लोगों ने बताया कि डॉ. जैन का जीवन समाज के लिए प्रेरणा है और उनका कार्य सदियों तक याद किया जाएगा। निधन की खबर सुन महंत दिव्यजीवन दास, संत मदन गोपाल दास, आचार्य नवलेश दीक्षित, सीताशरण महाराज, रामहृदय दास, तुलसी पीठ के आचार्य रामचन्द्र दास, सांसद कृष्णा देवी पटेल, सांसद गणेश सिंह, सतना डीएम सतीश एस, एसपी हंसराज सिंह, समाजसेवी संजय पहरिया, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, पूर्व सांसद भैरो प्रसाद मिश्र, आरके सिंह पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, बुन्देली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह आदि ने शोक संवेदना व्यक्त किया गया।

शिक्षा एवं कौशल विकास में सुधार की जरूरत

-राजकीय संप्रेक्षण गृह किशोर का निरीक्षण कर सचिव ने लिया जायजा

चित्रकूट। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश शेषमणि शुक्ला के निर्देशन में निरीक्षण के लिए गठित समिति के सदस्य सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इला चौधरी ने शुक्रवार को राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोर का निरीक्षण किया।निरीक्षण का उद्देश्य संस्थान में बालकों की देखभाल, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पुनर्वास व्यवस्था की समीक्षा तथा आवश्यक सुधार करना था। सचिव ने अवलोकन गृह में निवासरत बाल अपचारियों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की। उन्होंने बालकों की शिक्षा, भोजन, चिकित्सा सुविधाओं तथा मनोरंजन की व्यवस्था का जायजा लिया। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार संस्थान में भोजन एवं स्वच्छता की स्थिति संतोषजनक पाई गई। जबकि शिक्षा एवं कौशल विकास कार्यक्रमों में कुछ सुधार की आवश्यकता बताई गई। इस मौके पर अधीक्षक एवं स्टाफ को निर्देश दिए कि बालकों के लिए नियमित काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाएं। डीएलएसए द्वारा संचालित विधिक जागरूकता शिविरों में इन्हें शामिल किया जाए। उन्होंने जिला प्रशासन से अपील किया कि अवलोकन गृह के लिए अतिरिक्त फंडिंग उपलब्ध कराई जाए। ताकि कंप्यूटर लैब एवं खेलकूद सुविधाओं का विकास किया जा सके। इस अवसर पर विदिशा भूषण प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड, बीर सिंह संस्था प्रभारी, अर्चना श्रीवास्तव सदस्य, दीपक कुमार काउन्सलर आदि मौजूद रहे।

अवशेष कार्यो को शीघ्र पूरा करे कार्यदाई संस्था : एडीएम

चित्रकूट। अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति स्वप्निल कुमार यादव के द्वारा जल जीवन निशन के अन्तर्गत निर्माणाधीन चांदी बांगर ग्राम समूह पेयजल योजना के अन्तर्गत विकास खण्ड कर्वी के ग्राम रानीपुर खाकी का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जल निगम ग्रामीण के जूनियर इंजीनियर विन्ध्यवासिनी प्रसाद चौबे, टीपीआई के डिप्टी टीम लीडर एवं चन्द्रशेखर गिरी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि रानीपुर खाकी में कुल 3840 मीटर पाइप लाइन बिछायी जानी थी। जिसके सापेक्ष 3640 मीटर पाइप लाइन बिछा दी गयी है। ग्राम के 3 पुरवों में कुल 195 गृह जल संयोजन कराये जाने थें। जिसके सापेक्ष 158 गृह जल संयोजन का कार्य करा दिया गया है। उक्त ग्राम में पाइप लाइन बिछाने के दौरान 1500 मीटर रोड क्षतिग्रस्त की गयी थी। जिसके सापेक्ष 1400 मीटर रोड पुर्नस्थापित कर दी गयी है। उक्त ग्राम में स्थिति वाटर वर्क्स कैम्पस का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि टंकी में सीपेज नरम्मत एवं पम्प हाउस के पेन्टिंग का कार्य अवशेष है।

अल्लापुर जोन में जन्म प्रमाण पत्र के लिए सुविधा शुल्क मांगने पर कुटाई

प्रयागराज। नगर निगम के अल्लापुर स्थित जोनल कार्यालय में जन्म प्रमाण पत्र के बदले सुविधा शुल्क मांगने वाले एक कर्मचारी की पिटाई हो गई। जन्म प्रमाण पत्र के बदले आउटसोर्स कर्मचारी एक हजार रुपया मांग रहा था। रुपये मांगने को लेकर बहस शुरू हुई और जन्म प्रमाण पत्र लेने आए व्यक्ति ने कथित कर्मचारी की पिटाई शुरू कर दी।बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह घटना के समय जोनल अधिकारी भी मौजूद थे। उसी समय एक पार्षद भी मौके पर थे। 11 दिन के अंदजोनल कार्यालय में सुविधा शुल्क मांगने पर दूसरी घटना हुई। इससे पहले 17 फरवरी को भी एक स्थानीय व्यक्ति और जोन कार्यालय के कंप्यूटर ऑपरेटर के बीच मारपीट हुई थी।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की गिरफ्तारी पर रोक स्वागत योग्य- कांग्रेस

प्रयागराज। ज्योर्तिमठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज की गिरफ्तारी पर कोर्ट द्वारा रोक लगाये जाने का कांग्रेस ने स्वागत किया है। शहर कांग्रेस कमेटी की आपात बैठक शहर अध्यक्ष फुजैल हाशमी की अध्यक्षता में हुई जिसमें न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा की एकल पीठ द्वारा शंकराचार्य और उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद को बड़ी राहत दिए जाने को सही ठहराया गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता द्वय किशोर वार्ष्णेय तथा हरिकेश त्रिपाठी ने कोर्ट के निर्णय को असत्य पर सत्य की जीत बताया। कहा कि धर्म का सर्वोच्च महत्व है जहां राजनीति का समावेशण नहीं होना चाहिए। नेता द्वय ने कहा कि शंकराचार्य मामले में उत्तर प्रदेश सरकार बटी हुई है, मुख्यमंत्री जहां स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के विरुद्ध षड्यंत्र रच रहे हैं वहीं उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य और बृजेश पाठक पक्ष में खड़े हैं । इन नेताओं ने कहा गौ हत्या बंद करने के नाम पर सत्ता में लौटी योगी सरकार शंकराचार्य के गौ हत्या बंद किए जाने के आवाहन पर इतनी खफ्फा क्यों है। यह भी कहा कि संस्थानों पर कब्जा करने वाली भाजपा यदि देश के शंकराचार्यों पर भी कब्जा करने का प्रयास करेगी तो वह उसकी अंतिम भूल है। किशोर वार्ष्णेय, हरिकेश त्रिपाठी, विजय मिश्रा,अनूप त्रिपाठी, मानस शुक्ला, प्रदीप द्विवेदी, विनय दुबे, राजकुमार शुक्ला, सुष्मिता यादव, प्रतिमा त्रिपाठी, नयन कुशवाहा, राकेश श्रीवास्तव, नागेंद्र मिश्रा, कामेश्वर सोनकर, अजय श्रीवास्तव आदि थे।

ओहन बांध के मरम्मतीकरण को बनी कार्य योजना

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग के निर्देशन में अधिशासी अभियंता सिंचाई एसके प्रसाद ने बताया कि जनपद में तहसील मानिकपुर के अन्तर्गत ओहन बाध का निर्माण वर्ष 1958–59 में हुआ था। ओहन बांध से ओहन मुख्य नहर निकलती है जिसके टेल से ओहन पूर्वी शाखा निकलती है जिसकी लम्बाई 26.080 किमी तथा हेड डिस्चार्ज 74.60 क्यूसेक है। ओहन पूर्वी शाखा का पीपीए 2152 हे. है। जबकि विगत 5 वर्षों की औसत सींच 985 हे. दर्ज की गयी। लगभग 50 वर्ष से अधिक सेक्शन होने के कारण नहर पर बनी पक्की संरचनाए पूरी तरह से क्षतिग्रस्त अवस्था में है। नहरों के हेड रेगुलेटर एवं कुलाबा क्षतिग्रस्त होने से नहर संचालन के दौरान असुविधा होती है। नहर के सीमांकन के लिए बाउंड्री पिलर न होने के कारण .षकों द्वारा नहरी भूमि पर अतिक्रमण कर लिया जाता है। परियोजना में प्राविधानित कार्य ओहन पूर्वी शाखा पर निर्मित 15 फॉल, 12 वीआरबी, 1 एक्वाडक्ट मरम्मत्त ,10 फॉल, 9 रेगुलेटर गेट एवं 86 कुलाबा का पूर्ननिर्माण कार्य, ओहन पूर्वी शाखा के किमी 0.000 से किमी 26.080 तक नहरी भूमि सीमांकन का कार्य, परियोजना से लाभ, नहर पर निर्मित पक्की संरचनाए सु.ढ हो जायेगी। हेड रेगुलेटर एवं पक्की संरचनाए जिसके पुनरोद्धार से नहर का व्यवस्थित संचालन कराया जा सकेगा।

दबंगों ने दलित युवक को मारा पीटा, मुकदमा दर्ज कराने पर दे रहे हैं धमकी

सरदार सेना, भीम आर्मी ने सौंपा पत्र, पीड़ित परिवार को न्याय, दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

बस्ती। दबंगों द्वारा दलित को मारने पीटने, मुकदमा दर्ज करा देने पर मुकदमा उठा लेने का दबाव बनाकर जान माल की धमकी देने का मामला सामने आया है। सरदार सेना के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चौधरी बृजेश पटेल, भीम आर्मी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कमलेश सचान सहित अनेक संगठनों ने जिलाधिकारी को सम्बोधित पत्र सी.आरओ. को देकर मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के परसा बेधी निवासी मंगेश्वर पुत्र ओम प्रकाश को न्याय दिलाने, दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई, गिरफ्तार कर जेल भेजे जाने के साथ ही परिवार के जान माल के रक्षा की मांग किया है। चेतावनी दिया कि यदि दबंगों के दबाव में न्याय न मिला तो आन्दोलन किया जायेगा।परसा बेधी निवासी मंगेश्वर के चाचा धर्मेन्द्र कुमार ने डीएम और एसपी को दिये पत्र में कहा है कि वह जाति का चमार है। 18 फरवरी को उसका भतीजा मंगेश्वर नगहरा चौराहा स्थित आदर्श मेडिकल स्टोर पर दवा लेने गया था कि लगभग 7 बजे शाम को के अंश दूबे, विकास दूबे पुत्रगण अनिल दूवे व अनिल दूवे पुत्र बृज भूषण प्रताप दूबे ने उसे लाठी, डण्डा व सरिया से लैस होकर बुरी तरह से मारा पीटा। मंगेश्वर का सर कई जगहों फट गया काफी खून बहने लगा। लोगो के बीच बचाव करने से उसकी जान बची। घटना की सूचना मुण्डेरवा थाने पर दिया गया। दबंगो ने पुलिस को अपने साजिश में रिपोर्ट थाने में दर्ज नहीं होने दिया और सुलह करने हेतु दबाव बनाने लगे। काफी प्रयास करने पर दूसरे दिन पुलिस ने बीएनएस की धारा 115(2). 352, 351(3), बी०एन०एस० व ३ (1) (द), 3(1) (ध). 3(2) (अ) एस०सी०एस०टी० एक्ट में थाने में दर्ज की गयी जिससे अंश दूबे आदि काफी नाराज हो गये और सुलह करने हेतु दबाव बनाते हुये जान मार डालने की धमकिया देने लगे। सुलह से इंकार करने पर उक्त अभियुक्त अनिल दूबे ने क्रास केस बनाने की नीयत से उनके भतीजे मंगेश्वर सहित 20–25 अज्ञात लोगो के विरूद्ध एक मुकदमा धारा–191(2), 115(2), 131, 352, 531 (2) बी०एन०एस० के तहत थाने में दर्ज करा दिया है। इससे उनका परिवार अनिल दूबे आदि के आतंक से भयभीत है और असुरक्षित महसूस कर रहा है। उक्त लोग उसके परिवार की हत्या कर व करवा सकते है। मांग किया कि प्रकरण में अंश दूबे, विकास दूबे पुत्रगण अनिल दूबे व अनिल दूबे पुत्र बृज भूषण प्रताप दूबे के विरूद्ध तत्काल आवश्यक कार्यवाही की जाय।जिलाधिकारी को सम्बोधित पत्र सी.आरओ. को देने के दौरान मुख्य रूप से राम प्रकाश पटेल, बुद्धि प्रकाश एडवोकेट, तिलकराम गौतम, महिपाल पटेल एडवोकेट, अजय आजाद, मयंक चौरसिया, विनय चौधरी, ई. चन्द्रशेखर वर्मा, शिवशंकर चौधरी शाका, रामलौट, चन्द्रगुप्त मौर्य, संदीप निषाद,महेंद्र कुमार एडवोकेट, चांदनी गौतम, मूलचंद आजाद, आकाश पटेल, अनिल चौधरी देवरिया माफी, अशोक बौद्ध, अभिषेक चौधरी, राजा भैया, राम शंकर निराला, संदीप गोयल एडवोकेट, प्रशांत भारती एडवोकेट, रामचेत, अभय पटेल, रंजीत आजाद, विजय चौधरी, अतर सिंह गौतम, अरविंद, राहुल, हरिप्रसाद, बसंत चौधरी, राजा बाबू सोहन, दीपक कुमार, अशोक प्रभात, विवेक ओबेरॉय, अंकुर गौतम, सुरेंद्र, पीके गौतम, रामबहोर, राजन कुमार, चन्द्र प्रकाश गौतम, आरके आनंद, शिवराम कनौजिया, सिद्धनाथ प्रजापति, अभिषेक चौधरी, वीरू चौधरी, रवि चौधरी, कल्लू, सुनील पटेल, अभय, सत्येंद्र चौधरी, अजीत यादव, सर्वेश, अनिरुद्ध चौधरी ,अंकुर पटेल, संतोष कुमार, शिव प्रताप वर्मा, डीके वर्मा, गौरीशंकर कनौजिया, अंकुर, राज नारायण, सोनू, रामसेवक बौद्ध, विजय, मंगल सिंह राव, अजय कुलश्रेष्ठ, शैलेंद्र चौधरी, अरुण राज, पवन कुमार आदि शामिल रहे।

सोशल मीडिया पर आसपा सदस्य रामबृज को कहे अपशब्द

प्रयागराज। आजाद समाज पार्टी के सदस्य आईपी रामबृज की एक फेसबुक पोस्ट पर बंटी बिलोनिया नमक व्यक्ति ने अपशब्द कहे। इस से आहत आईपी रामबृज ने दारागंज थाने में एफआईआर दर्ज करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया है।रामबृज के अनुसार आजाद वह समाज पार्टी (कांशीराम) का सदस्य है और 25 फरवरी 2026 को जौनपुर में आसपा के तत्वावधान में आयोजित संवैधानिक अधिकार बचाओ भाईचारा बनाओ महारैली में सैकड़ों साथियों के साथ सम्मिलित हुआ। महारैली में उमड़ा जनशैलाब को देखकर प्रार्थी ने अपनी फेसबुक आईडी पर ष 25 फरवरी को जौनपुर में आसपा की ऐतिहासिक महारैली ने सिद्ध कर दिया कि अब बसपा का हमेशा के लिए अलविदा कहने का समय आ गया है, प्रयागराज में तो सैकड़ों पदाधिकारी आसपा में शामिल होने जा रहे हैं,ष की पोस्ट डाली। उपरोक्त पोस्ट की प्रतिक्रिया में 27ध02ध2026 को सुबह 08 बजे बंटी बिलोनिया ने अपनी फेसबुक आईडी से प्रार्थी को अपमानजनक और भद्दी भद्दी गालियां देते हुए पोस्ट किया गया जिससे समाज में मेरी मानहानि हुई है तथा मेरे सार्वजनिक जीवन में धब्बा लगा है और मान मर्यादा समाज में धूमिल हुआ है तथा मेरे दिल व भावना को सदमा पहुंचा है जिसके लिए उपरोक मुल्जिम बंटी बिलोनिया जिम्मेदार है, तथा गुनाहगार है। रामबृज ने घटना की प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करके उपरोक्त मुल्जिम के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के लिए आज प्रभारी निरीक्षक दारागंज को प्रार्थना पत्र दिया है।

ग्राम चौपाल में सुनी गई ग्रामीणों की समस्याएं

चित्रकूट। एडीएम न्यायिक अरूण कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को विकास खण्ड रामनगर की ग्राम पंचायत सिंहपुर में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें रामसुधार तहसीलदार मऊ, राजेश तिवारी खण्ड विकास अधिकारी रामनगर, डॉ अवधेश निरंजन पषु चिकित्साधिकारी, आलोक कुमार ग्राम सचिव, एएनएम, आशा, आंगनवाडी, कोटेदार तथा ग्रामीण आदि उपस्थित रहें।ग्राम चौपाल में ग्राम पंचायत द्वारा कराये गये कार्यो की समीक्षा की गयी तथा ग्रामीणो की समस्याओ का मौके पर निस्तारण किया गया। ग्राम सचिव द्वारा मुख्यमंत्री आवास योजना, वृद्धवस्था पेंशन योजना आदि योजनाओ के बारे में ग्रामवसियों को बताया गया। तहसीलदार मऊ द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम लेखपाल कमलेश सिंह का एक्सीडेन्ट हो जाने के कारण खतौनी का उच्चारण नही हो सका। एडीएम न्यायिक ने तहसीलदार को निर्देशित किया कि ग्राम खतौनी का उच्चारण शीघ्र कराया जाना सुनिष्चित करे। जिससे जनमानस की लम्बित वरासतो का ससमय निस्तारण हो सकें।

टेट अनिवार्यता के विरुद्ध शिक्षकों ने बैठक कर बनाई संघर्ष की रणनीति कार्यकारिणी का चुनाव कराने की मांग

बस्ती। शुक्रवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक कार्य समिति की बैठक ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र वर्मा की अध्यक्षता में परसुरामपुर बीआरसी पर सम्पन्न हुई।बैठक को संबोधित करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र वर्मा ने बताया कि टेट अनिवार्यता के विरुद्ध संघर्ष हेतु देश और प्रदेश के विभिन्न शैक्षिक संगठनों ने एक मंच पर आकर राष्ट्रीय स्तर पर अखिल भारतीय संयुक्त टीचर्स फेडरेशन एआईयूटीएफआई का गठन किया है। नव गठित संयुक्त मोर्चे ने टेट अनिवार्यता के विरुद्ध अपना आंदोलन कार्यक्रम घोषित किया है। जिसके अनुसार आगामी 9 से 15 मार्च तक भारत की राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को ई मेल अथवा पोस्टकार्ड भेजा जायेगा। 13 अप्रैल को जिला मुख्यालय पर मशाल जुलूस एवं 03 मई 2026 को इको पार्क लखनऊ में धरना करते हुए विधानसभा तक मार्च किया जाएगा। सभी साथी उक्त आंदोलन में सक्रियता से शामिल हों।संगठन के संयुक्त मंत्री विजय कनौजिया ने अपने संबोधन में कहा कि 04 मार्च 2026 को वर्तमान कार्यसमिति का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इसलिए समय से कार्यकारिणी का पुनर्गठन आवश्यक है। बैठक में उपस्थित शिक्षकों ने जिला कार्यकारिणी से अनुरोध पूर्वक प्रस्ताव किया कि शीघ्र ही ब्लॉक कार्यसमिति का निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया से चुनाव कराते हुए कार्यकारिणी का पुनर्गठन करें जिससे संगठन द्वारा निर्धारित आगामी संघर्षों में ब्लॉक की मजबूत भागीदारी हो सके।उपाध्यक्ष पंच बहादुर यादव ने स्थानीय शिक्षक समस्याओं का मुद्दा उठाया। शिक्षकों ने 4 सूत्रीय ज्ञापन खंड शिक्षा अधिकारी को सौंपा। बैठक को राज नारायण तिवारी,धर्मेन्द्र कुमार,प्रमोद वर्मा, हरिश्चंद्र यादव आदि ने भी संबोधित किया।बैठक में अरविन्द पाण्डेय, ओम प्रकाश, सत्य प्रकाश पाठक, भरत राम,विनोद कनौजिया,लालता प्रसाद,संतोष मणि तिवारी,हरिमूर्ति चौधरी,महादेव, विवेकानंद वर्मा,शिव कुमार,बलराम वर्मा,राम सजीवन, राधेश्याम वर्मा,धनपाल यादव,रामपति कनौजिया,के.के. गौतम,संदीप वर्मा,अर्चना चौधरी,रोशन लाल,सूर्य नारायण तिवारी,प्रेम शंकर ,राम जीत वर्मा,दिलीप गुप्ता,पवन सिंह,चंदन सोनी, रविन्द्र वर्मा,अश्वनी यादव आदि शिक्षक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शाइन सिटी घोटाले का मास्टरमाइंड राशिद नसीम यूएई मे गिरफ्तार

प्रयागराज। बहुचर्चित शाइन सिटी ग्रुप निवेश घोटाले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी राशिद नसीम को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कार्रवाई भारत की जांच एजेंसियों, विशेषकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के औपचारिक अनुरोध पर की गई। लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तलाशे जा रहे राशिद की गिरफ्तारी को एजेंसियों की बड़ी सफलता माना जा रहा है। अब उसके भारत प्रत्यर्पण की प्रक्रिया को तेज किया जा रहा है।

जांच एजेंसियों के अनुसार, राशिद नसीम पर उत्तर प्रदेश के कई जिलों, विशेषकर लखनऊ और प्रयागराज समेत विभिन्न स्थानों पर निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी और धन शोधन के आरोप दर्ज हैं। आरोप है कि उसने रियल एस्टेट और उच्च रिटर्न वाली योजनाओं का झांसा देकर हजारों निवेशकों से बड़ी रकम जुटाई और बाद में धन का दुरुपयोग किया। मामले में सैकड़ों एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस और आर्थिक अपराध शाखा ने शिकंजा कसना शुरू किया, लेकिन 2019 में राशिद देश छोड़कर दुबई फरार हो गया था। इसके बाद ईडी और आर्थिक अपराध शाखा ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर प्रत्यर्पण की कार्रवाई शुरू की। पिछले वर्ष अप्रैल में लखनऊ स्थित विशेष पीएमएलए कोर्ट ने राशिद नसीम को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया था। अदालत के इस आदेश के बाद उसकी संपत्तियों की कुर्की और जब्ती की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई गई।यूएई में गिरफ्तारी के बाद अब भारतीय एजेंसियां उसे कानूनी प्रक्रिया के तहत भारत लाने की तैयारी में जुट गई हैं। माना जा रहा है कि उसकी गिरफ्तारी से घोटाले से जुड़े वित्तीय नेटवर्क, सहयोगियों और धन के प्रवाह को लेकर कई अहम खुलासे हो सकते हैं। पीड़ित निवेशकों के लिए यह कार्रवाई न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

फाइलेरिया अभियान का संयुक्त निदेशक ने लिया जायजा

चित्रकूट। राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद मे आईडीए 10 से 28 फरवरी तक चलाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत शुक्रवार को संयुक्त निदेशक डा विनोद अग्रवाल ने स्थलीय पर्यवेक्षण किया। इस दौरान ब्लाक शिवरामपुर के ग्राम रेहुंटिया व ब्लाक पहाडी के ग्राम बूढा सेमरवार मे टीम के कार्यों का भौतिक निरीक्षण किया गया। जनसमुदाय को फाइलेरिया से बचाव के लिए जागरूक करने व दवा खाने से इंकार करने वाले व्यक्तियों का संवेदीकरण कर दवा खिलाने का भी कार्य किया गया। साथ ही आईडीए कार्यक्रम से संबधित समस्त अभिलेखो व रिपोर्टिंग की गुणवत्ता का निरीक्षण किया जो संतोषजनक पाया गया। अब तक जनपद में कार्यक्रम के अन्तर्गत कुल लक्षित 779956 में 617587 लोगों को दवा का सेवन कराया जा चुका है। इस मौके पर कार्यकम के नोडल अधिकारी डा जीआर रतमेले, जिला मलेरिया अधिकारी लालसाहब सिंह, मलेरिया निरीक्षक व प्रतिनिधि पाथ व पीसीआई संस्था मौजूद रहे।

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित भवन जनता को समर्पित

चित्रकूट। प्रयागराज जोन के एडीजी ज्योति नारायण ने जिले के नवनिर्मित भरतकूप थाने का शुभारंभ किया। मंत्रोच्चारण के साथ फीता काटकर थाने का लोकार्पण किया गया। इसके बाद एडीजी ने थाना परिसर एवं पुलिस कार्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस थाने को डिजिटल थाने के रूप में विकसित किया गया है। यहां महिला डेस्क की विशेष व्यवस्था की गई है। जिससे महिलाओं की शिकायतों का त्वरित, संवेदनशील निस्तारण किया जा सके। थाना परिसर में पुलिस कार्यालय के साथ आवासीय कॉलोनी का भी निर्माण कराया गया है। भवन का निर्माण यूपीसीडको द्वारा कराया गया है। भरतकूप थाने में 10 एसआई तैनात किए गए हैं। थाना प्रभारी उपेंद्र सिंह यहां का कार्यभार संभाल रहे हैं। एडीजी ने कहा कि आधुनिक संसाधनों और बेहतर बुनियादी ढांचे से पुलिसिंग और प्रभावी बनाया जा सकेगा तथा आम जनता को त्वरित न्याय दिलाने में सहायता मिलेगी। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान डीआईजी राजेश एस, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, सीओ सिटी अरविंद कुमार वर्मा एवं अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी की सांसद .ष्णा पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, समाजसेवी फूलचंद करवरिया, शंभू सिंह चंदेल सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

राष्ट्रीय परख सर्वेक्षण भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक युगांतरकारी कदम - संजय शुक्ल

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल के निर्देशन में राष्ट्रीय परख सर्वेक्षण के अंतर्गत दो बैचों में शिक्षक, एआरपी, डायट मेंटर और बीईओ सहित कुल 180 लोग प्रशिक्षित किए गए। शुक्रवार को दूसरे बैच में 105 प्रतिभागियों को डायट प्राचार्य द्वारा प्रमाणपत्र वितरित करके प्रशिक्षण का समापन किया गया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल परख का सामान्य प्रसार मात्र नहीं है, बल्कि यह देश की शैक्षिक गुणवत्ता को मापने के लिए आयोजित होने वाला एक वृहद और वैज्ञानिक राष्ट्रीय सर्वेक्षण है। कहा कि परख सर्वेक्षण भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक युगांतरकारी कदम है। प्रशिक्षण के नोडल प्रवक्ता डॉ रविनाथ त्रिपाठी और सह नोडल प्रवक्ता शशि दर्शन त्रिपाठी ने श्परखश् सर्वेक्षण के परिचय, इसके ऐतिहासिक संदर्भ और राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) के साथ इसके अंतर्संबंधों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यशाला के दौरान सभी प्रतिभागियों ने विभिन्न सत्रों में अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया और सर्वेक्षण को निष्पक्ष व सफल बनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर डायट प्रवक्ता डॉ गोविन्द, वंदना चौधरी, ऋचा शुक्ला, अलीउद्दीन खान, सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, नवनीत कुमार, अनिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने किया निर्माण कार्यो का निरीक्षण

बस्ती। शुक्रवार को नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने भाजपा के वरिष्ठ नेता अंकुर वर्मा के साथ कम्पनी बाग में निर्माणाधीन गुरू गोविन्द सिंह चौक और आवास विकास में सी.सी. रोड, नाली निर्माण का निरीक्षण किया।नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ पूरा कराया जाय। कहा कि चुनाव के समय नागरिकों से विकास के जो वायदे किये गये थे उसे चरणबद्ध ढंग से पूरा कराया जा रहा है।वार्डवार नालियों की सफाई, जल निकासी, प्रकाश व्यवस्था, सम्पर्क मार्ग के बेहतर प्रबन्ध कराये जा रहे हैं।

वर्दी पहने नहीं मिले सफाई कर्मियों के एक दिन का रोका वेतन

चित्रकूट। नगर पालिका परिषद अंतर्गत प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय अरुण कुमार ने नगर के विभिन्न वार्डों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पटेल चौक से नगर पालिका परिषद कार्यालय, चित्रकूटधाम तक कोई भी सफाई कर्मचारी कार्यरत नहीं पाया गया।

साथ ही पुरानी कोतवाली चौराहा के पास सफाई कार्य में लगे कर्मचारी अनुज एवं बृजेश बिना निर्धारित वर्दी के पाए गए। इस पर प्रभारी अधिकारी ने संबंधित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोके जाने के निर्देश दिए। भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न होने की सख्त चेतावनी दी गई। रामपुरी एवं भारतपुरी वार्ड में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन व्यवस्था का जायजा लिया। सफाई निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि सभी डोर टू डोर वाहनों में अनिवार्य रूप से नंबर प्लेट लगाना सुनिश्चित करें। सफाई एवं खाद्य निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला को निर्देश दिए कि शत प्रतिशत डोर टू डोर कलेक्शन स्रोत पर पृथक्करण के साथ समयबद्ध रूप से सुनिश्चित कराया जाए। पुरानी बाजार में सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई।

रजनी ट्रॉफी फाइनल दिग्गज कर्नाटक को पछाड़ जम्मू कश्मिर बना नया चैंपियन, रचा इतिहास

रणजी ट्रॉफी 2025–26 के फाइनल में कर्नाटक पर पहली पारी की बढ़त के आधार पर जम्मू और कश्मीर ने अपना पहला खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। शुभम पुंडीर और कमरन इकबाल के शतकों तथा औकिब नबी के पांच विकेट हॉल की बदौलत यह ऐतिहासिक जीत संभव हुई।रणजी ट्रॉफी 2025–26 के फाइनल में ड्रॉ खेलने के बाद जम्मू और कश्मीर ने इतिहास रचते हुए पहली बार रणजी फाइनल में जगह बनाई है। जहां कई लोगों ने कर्नाटक को एक बार फिर खिताब जीतने का दावेदार माना था, वहीं जम्मू और कश्मीर ने आलोचकों को गलत साबित करते हुए इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। यह उल्लेखनीय है कि मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ, लेकिन जम्मू और कश्मीर ने पहली पारी में बढ़त बना ली थी, इसलिए उन्हें विजेता घोषित किया गया और उन्होंने अपना पहला खिताब अपने नाम कर लिया।खास बात यह है कि जम्मू और कश्मीर ने पूरे पांच दिनों तक चले मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए, टीम ने पहली पारी में 584 रनों का स्कोर खड़ा किया, जिसमें यावर हसन ने 88 रन और शुभम पुंडीर ने 121 रन बनाए। बाकी बल्लेबाजों ने भी उल्लेखनीय योगदान दिया। कर्नाटक की बात करें तो, पहली पारी में 584 रन लुटाने के बाद, टीम जवाब में केवल 293 रन ही बना सकी, जिसमें मयंक अग्रवाल ने 160 रन बनाए,

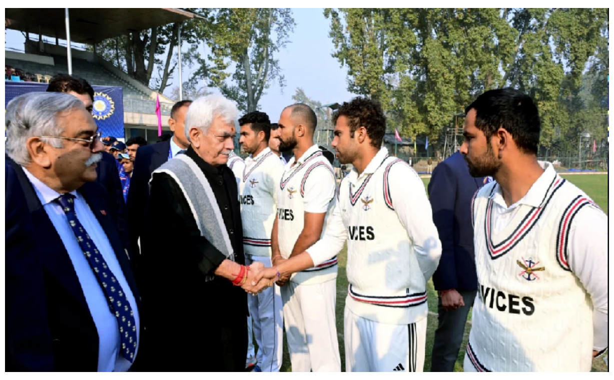

लेकिन बाकी बल्लेबाज कुछ खास कमाल नहीं कर पाए।पहली पारी में औकिब नबी एक बार फिर स्टार परफॉर्मर रहे और उन्होंने पांच विकेट लिए। सुनील कुमार और युद्धवीर सिंह ने दो–दो विकेट लिए, वहीं साहिल लोत्रा छ्ने भी एक विकेट लिया। दूसरी पारी में बड़ी बढ़त के साथ बल्लेबाजी करते हुए, जम्मू और कश्मीर ने एक बार फिर कर्नाटक के लिए बड़ी मुश्किलें खड़ी कर दीं। कमरन इकबाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 311 गेंदों में 160 रन बनाकर नाबाद रहे।

टी20 विश्व कप के सुपर आठ के करो या मरो मुकाबले में भारत का सामना वेस्टइंडीज से होगा,

जहां टीम की लय में लौटी बल्लेबाजी के सामने अपनी गेंदबाजी की कमजोरियों से पार पाने की चुनौती होगी। इस वर्चुअल क्वार्टर फाइनल में वरुण चक्रवर्ती और शिवम दुबे का खराब फॉर्म टीम इंडिया के लिए बड़ी चिंता का विषय है। भारतीय बल्लेबाज अब अपने पुराने रंग में दिख रहे हैं लेकिन गेंदबाज अब भी प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और ऐसी परिस्थितियों में वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल जैसे सुपर आठ के मैच में उसे इस विभाग में अपना बेहतर प्रदर्शन करना होगा। वेस्टइंडीज की दक्षिण अफ्रीका से हार और भारत की जिम्बाब्वे पर जीत ने ग्रुप एक के सुपर आठ के इस मैच को दोनों टीम के लिए करो या मरो जैसा बना दिया है। इसलिए अब दोनों टीम कोई कसर नहीं छोड़ेंगी और ऐसे में ईडन गार्डन्स में एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है।इस मैच के विजेता को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मार्च को दूसरे सेमीफाइनल में खेलने का मौका मिलेगा। जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत ने बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया। उसके बल्लेबाज सही समय पर लय में लौट आए हैं और अब गेंदबाजों की बारी है। पिछले मैच में शीर्ष क्रम में वापसी करने वाले संजू सैमसन सहित चोटी के सभी छह बल्लेबाजों ने उपयोगी योगदान दिया। संजू ने केवल 24 रन बनाए, लेकिन उन्होंने शुरू में ही रन गति तेज कर दी जिसका बाकी बल्लेबाजों पर सकारात्मक असर पड़ा। उनके आक्रामक रवैये ने अभिषेक शर्मा के हौसले को बुलंद किया, जिनका इस टूर्नामेंट में पिछला सर्वश्रेष्ठ स्कोर 15 था, जो उन्होंने लगातार तीन मैचों में

शून्य पर आउट होने के बाद बनाया था।अभिषेक ने अर्धशतक लगाकर शानदार वापसी की तो तिलक वर्मा ने नंबर छह की अपनी नई भूमिका में नए इरादे के साथ बल्लेबाजी करते हुए 16 गेंदों में 44 रन बनाए। भारत ने चार विकेट पर 256 रन बनाए जो इस टी20 विश्व कप का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे बिना किसी चिंता के ईडन गार्डन्स पहुंचे हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अच्छी गेंदबाजी की। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या ने भी शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती अपने पुराने फॉर्म में नहीं नजर आ रहे हैं। यह रहस्यमयी स्पिनर अपनी लेंथ को सही ढंग से नियंत्रित करने में विफल रहा है और ऐसा लगता है कि वह बहुत ज्यादा प्रयोग कर रहे हैं। चक्रवर्ती के नहीं चल पाने के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत को नुकसान हुआ। चक्रवर्ती ने उस मैच में चार ओवर में 47 रन लुटा दिए थे। वरुण ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ज्यादातर शॉर्ट पिच गेंदें की और जब उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ फुल लेंथ गेंद करने की कोशिश की तब भी उन्हें खास सफलता नहीं मिली। इस मैच में अनुभवी सिकंदर रजा ने उन्हें निशाने पर रखा। वरुण ने इस मैच में चार ओवरों में 35 रन दिए। यह देखना बाकी है कि टीम प्रबंधन चक्रवर्ती को अंतिम एकादश में बनाए रखता है या बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को टीम में शामिल करता है। कुलदीप ने वर्तमान टूर्नामेंट में अभी तक केवल एक मैच (पाकिस्तान के खिलाफ) खेला है। वरुण और कुलदीप दोनों ने अपने आईपीएल करियर के अधिकतर मैच कोलकाता नाइट राइडर्स की तरफ से इसी मैदान पर खेले हैं और वे यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। चक्रवर्ती ने हालांकि यहां अधिक मैच खेले हैं। एक और चिंता ऑलराउंडर शिवम दुबे का गेंदबाजी में अनियमित प्रदर्शन है। जिम्बाब्वे के खिलाफ दुबे ने सिर्फ दो ओवरों में 46 रन लुटाए, जिसमें 10 गेंदों के एक ओवर में चार वाइड और दो नोबॉल शामिल थीं। मुख्य कोच गौतम गंभीर का ऑलराउंडर के प्रति आकर्षण जगजाहिर है, लेकिन ईडन पिच पर दुबे की मध्यम गति की गेंदबाजी वेस्टइंडीज के सामने उलटी पड़ सकती है।ईडन गार्डन की पिच पर थोड़ी घास होने की संभावना को देखते हुए बुमराह, अर्शदीप और पंड्या की तेज गेंदबाजी तिकड़ी को कुछ मदद मिलनी चाहिए। वेस्टइंडीज ने इस टूर्नामेंट में अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उनकी रणनीति स्पष्ट है। शुरू में कुछ सतर्क होकर खेलना और बाद में बेखौफ अंदाज में आक्रमण करना। अपनी इस रणनीति के कारण उसे लगातार पांच मैच में जीत मिलीं, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने उसकी जीत का सिलसिला रोक दिया। वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी में गहराई है और इसका नमूना दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ देखने को मिला जब नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे रोमारियो शेफर्ड के नाबाद अर्धशतक लगाया। शिमरोन हेटमायर का नंबर तीन पर आना भी बड़ा सकारात्मक फैसला साबित हुआ है।

क्या पाकिस्तान फिर कर पाएगा करिश्मा? सेमीफाइनल के लिए मिशन इम्पासिबल जैसा समीकरण

सीधे शब्दों में कहें तो, पाकिस्तान को या तो 12.4 ओवर के अंदर टारगेट पूरा करना होगा या कम से कम 63 रन के अंतर से जीतना होगा। यह पाकिस्तान के लिए कोई नई बात नहीं है। पिछले कुछ सालों में, यह चंचल टीम बार–बार खुद को दूसरी टीमों के मुकाबले ज्यादातर बार–बार जोड़–तोड़ पर निर्भर पाती रही है।आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 का रोमांच अपने चरम पर है। शुक्रवार को कोलंबो में इंग्लैंड की न्यूजीलैंड पर शानदार जीत ने ग्रुप 2 के समीकरणों को बेहद दिलचस्प बना दिया है। हैरी ब्रूक की कप्तानी में इंग्लैंड अजेय रहते हुए सेमीफाइनल में पहुंच चुका है, लेकिन इस जीत ने पाकिस्तान के लिए भी उम्मीद की एक पतली सी किरण छोड़ दी है। अब सवाल यह है कि क्या पाकिस्तान इस श्नाममुकिनश दिखने वाले गणित को पार कर पाएगा?ऑरेंज इज द न्यू ब्लैक के सबसे हॉट सीन्स जिन्होंने तहलका मचा दिया हैरी ब्रूक की लीडरशिप वाली टीम ने कीवी टीम को चार विकेट से हराया और सुपर 8 स्टेज में बिना हारे सेमीफाइनल में पहुँच गई। इंग्लैंड ने न सिर्फ अपनी जीत की रफ्तार बनाए रखी, बल्कि पाकिस्तान को भी उम्मीद की एक किरण दी, जो सेमीफाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बना हुआ है। अपनी जीत के बाद, इंग्लैंड ने तीन मैचों में छह पॉइंट्स के साथ सुपर 8 ग्रुप 2 में टॉप जगह पक्की कर ली है। इस बीच, न्यूजीलैंड तीन मैचों में तीन पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है और उसका नेट रन रेट 1.390 है। पाकिस्तान, जो दो मैचों में एक पॉइंट और –0.461 के नेट रन रेट के साथ टेबल में तीसरे नंबर पर है, के पास अभी भी क्वालिफाई करने का अच्छा मौका है।पाकिस्तान की जीत का अंतर क्या होना चाहिए?सीधे शब्दों में कहें तो, पाकिस्तान को या तो 12.4 ओवर के अंदर टारगेट पूरा करना होगा या कम से कम 63 रन के अंतर से जीतना होगा। यह पाकिस्तान के लिए कोई नई बात नहीं है। पिछले कुछ सालों में, यह चंचल टीम बार–बार खुद को

दूसरी टीमों के मुकाबले ज्यादातर बार–बार जोड़–तोड़ पर निर्भर पाती रही है। शनिवार को, उनका समीकरण थ्योरी में सीधा हैरू या तो बड़ा स्कोर करें या श्रीलंका के खिलाफ जल्दी स्कोर करें।

सिनेरियो एकरू बड़ा स्कोर करेंअगर पाकिस्तान टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला करता है – या श्रीलंका उन्हें बैटिंग के लिए भेजता है – तो उन्हें कम से कम 63 रन के अंतर से जीत हासिल करनी होगी। यह ऐसे काम करता हैइतिहास कुछ और ही बताता हैपल्लेकेले में, इस ज्20 वर्ल्ड कप में सिर्फ एक बार 200 का स्कोर बना है कृ श्रीलंका और ओमान के बीच मैच में। हाल ही में, इस जगह पर कम स्कोर वाले मैच हुए हैं, जिसका मुख्य कारण स्पिनरों का असर रहा है, जिन्होंने धीमी होती सतह पर मैच पर कब्जा किया है। इंग्लैंड के खध्लिाफ, 147 रन का पीछा करते हुए 16. श्रीलंका 146 के बराबर स्कोर का पीछा करते हुए 95 रन पर आउट हो गई। इस हफ्ते की शुरुआत में, पाकिस्तान ने खुद इंग्लैंड के खध्लिाफ 20 ओवर में 164 रन बनाए। हालाँकि, हैरी ब्रूक के शानदार शतक ने इंग्लैंड को फिनिश लाइन पार करा दी। संक्षेप में, पल्लेकेले की थकी हुई पिच पर बड़ा स्कोर बनाना पाकिस्तान के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। यह हमें उस रास्ते पर लाता है जो पाकिस्तान का ज्यादा असलियत वाला हो सकता है। अगर वे पहले गेंदबाजी करते हैं, तो उन्हें श्रीलंका को कम स्कोर पर रोकना होगा, जिससे उन्हें तेजी से पीछा पूरा करने का एक असलियत वाला मौका मिल सके। कट–ऑफ 12.4 ओवर है। इससे धीमी गति से पूरा होने वाला कोई भी चेज पाकिस्तान का कैंपेन खत्म कर देगा। साफ सवाल यह हैरू क्या पाकिस्तान श्रीलंका को 115 और 123 के बीच कहीं रोक सकता है? ग्रुप स्टेज के दौरान श्रीलंका ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें पथुम निसांका बैटिंग चार्ज में सबसे आगे थे। हालांकि, सुपर 8 में उनका प्रदर्शन बहुत कम अच्छा रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ, वे 147 रन का पीछा करते हुए 16. 4 ओवर में 95 रन पर आउट हो गए। कोलंबो में न्यूजीलैंड के खिलाफ, वे 164 के टारगेट का पीछा करते हुए अपने 20 ओवर में सिर्फ 107 रन ही बना पाए। हाल के सबूतों के आधार पर, पाकिस्तान को लगेगा कि उनके पास श्रीलंका को मामूली टोटल पर रोकने के लिए बॉलिंग रिसोर्स हैं। हालांकि, सुपर 8 कैंपेन में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद लोगों की आलोचना से आहत श्रीलंका, दमदार और गर्व से भरे प्रदर्शन के साथ बाहर निकलने का पक्का इरादा करेगा। एक बात पक्की हैरू अगर आप पाकिस्तान के सपोर्टर हैं, तो यह एक चिंता भरा दिन होने वाला है।क्या बारिश पाकिस्तान का खेल बिगाड़ देगी?लेकिन, अगर वे श्रीलंका को ऊपर दिए गए अंतर से नहीं हरा पाते हैं, तो न्यूजीलैंड ग्रुप 2 में दूसरे नंबर पर रहकर सेमी–फाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाएगा। इसलिए, पाकिस्तान की किस्मत उनके हाथ में है और वे टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए अपना सब कुछ झोंक देंगे। पल्लेकेले का मौसम भी पाकिस्तान के लिए अच्छा है, क्योंकि मैच के दौरान बारिश का कोई अनुमान नहीं है।

इंग्लैंड से मिली हार के बाद न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सैंटनर ने माना

इंग्लैंड से मिली हार के बाद न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सैंटनर ने माना है कि टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में क्वालिफाई करने की अनिश्चितता को लेकर टीम में घबराहट है। अब न्यूजीलैंड की उम्मीदें पाकिस्तान बनाम श्रीलंका मैच के परिणाम पर टिकी हैं, जहां पाकिस्तान को क्वालिफाई करने के लिए नेट रन रेट में सुधार हेतु एक निर्णायक जीत हासिल करनी होगी। न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सैंटनर ने शुक्रवार को कोलंबो में खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 के आखिरी मैच में इंग्लैंड से मिली हार के बाद टीम में व्याप्त घबराहट को स्वीकार किया। इस हार के बाद न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए शनिवार को होने वाले पाकिस्तान बनाम श्रीलंका मैच के नतीजे पर निर्भर रहना होगा। इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर सुपर 8 के लगातार तीन मैचों में अपनी तीसरी जीत दर्ज की। इंग्लैंड के क्वालीफाई कर जाने के बाद, ग्रुप 2 से दूसरे सेमीफाइनल स्थान के लिए मुकाबला अब पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच है। न्यूजीलैंड फिलहाल तीन मैचों में तीन अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। उसने एक मैच जीता है जबकि एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। पाकिस्तान दो मैचों में एक अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। एक मैच में उसे हार मिली है और एक मैच का कोई नतीजा नहीं निकला। अगर पाकिस्तान श्रीलंका को हरा देता है, तो वह न्यूजीलैंड के बराबर तीन अंकों पर आ जाएगा। हालांकि, न्यूजीलैंड के 1.390 के नेट रन रेट को पार करने के लिए उन्हें निर्णायक जीत हासिल करनी होगी, क्योंकि पाकिस्तान का नेट रन रेट –0.461 है। ऐसा करने के लिए, पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी करते हुए 64 रनों से जीतना होगा, या शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ दूसरी बल्लेबाजी करते हुए 13.1 ओवर के भीतर लक्ष्य का पीछा करना होगा।मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, मिशेल सैंटनर ने घबराहट महसूस करने की बात स्वीकार की, लेकिन माना कि क्वालिफिकेशन अब उनके हाथ में नहीं है। उन्होंने कहा कि

टीम को सिर्फ यह देखना है कि वे सेमीफाइनल के लिए भारत जाते हैं या न्यूजीलैंड वापस लौटते हैं। आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, सैंटनर ने कहा कि काफी घबराया हुआ हूं। लेकिन हां, मेरा मतलब है, यह हमारे नियंत्रण से बाहर है। हम वास्तव में ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। बस इंतजार करना होगा और देखना होगा कि हम या तो भारत या न्यूजीलैंड के लिए उड़ान भरते हैं।सैंटनर ने यह भी स्वीकार किया कि इंग्लैंड के खिलाफ मैच जीतने से ब्लैककैप्स के लिए चीजें काफी आसान हो जातीं और उन्होंने फिर से माना कि अन्य मैचों के नतीजों का इंतजार करते हुए कुछ चिंताजनक पल जरूर आएंगे। उन्होंने कहा कि हाल के मैचों में टीम ने कुछ मौकों पर अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन खेल में और फील्डिंग में छोटी–छोटी चूकें भारी पड़ीं, और उन्होंने इंग्लैंड के खेल की सराहना की। सैंटनर ने कहा कि अगर हम आज रात जीत जाते तो चीजें काफी आसान हो जातीं। लेकिन हां, कल मैच देखते समय थोड़ी घबराहट जरूर होगी, यह देखने के लिए कि क्या होता है।

कोर्ट से डबल झटका, 144 करोड़ की अर्जी खारिज,स्पाइसजेट चेयर मैन पर जुर्माना।

उच्चतम न्यायालय ने स्पाइसजेट और चेयरमैन अजय सिंह को बड़ा झटका देते हुए कलानिधि मारन से जुड़े मध्यस्थता मामले में 144.5 करोड़ रुपये जमा करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा है। शीर्ष अदालत ने अनावश्यक मुकदमेबाजी के लिए अजय सिंह पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया, हालांकि एयरलाइन ने परिचालन पर कोई असर न पड़ने का आश्वासन दिया है। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली स्पाइसजेट एयरलाइन और उसके चेयरमैन अजय सिंह की याचिका खारिज कर दी। याचिका में उच्च न्यायालय के 144.5 करोड़ रुपये जमा कराने के आदेश को चुनौती दी गयी थी। यह विवाद कलानिधि मारन और केएएल एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ मध्यस्थता मामले से जुड़ा है। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने उच्च न्यायालय का 19 जनवरी का आदेश बरकरार रखा। एक लाख

रुपये का जुर्माना लगाइसके साथ ही शीर्ष अदालत ने अजय सिंह पर अनावश्यक रूप से मुकदमेबाजी जारी रखने के लिए एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने जनवरी में कहा था कि शीर्ष अदालत के 2023 के भुगतान एवं अनुपालन निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन नहीं किया गया। स्पाइसजेट ने 194.51 करोड़ रुपये देय होने को स्वीकार किया था। इसमें से 50 करोड़ रुपये पहले ही जमा किए जा चुके हैं, जबकि 144.51 करोड़ रुपये बाकी हैं। उच्चतम न्यायालय के फैसले पर स्पाइसजेट ने एक बयान में कहा कि उसने आदेश को ध्यान में ले लिया है और अदालत के सभी निर्देशों का पालन करेगी। इसके साथ ही स्पाइसजेट ने कहा कि इस घटनाक्रम का उसके दैनिक परिचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह मामला 2015 के शेयर हस्तांतरण समझौते से जुड़ा है, जिसके तहत मारन और केएएल एयरवेज ने स्पाइसजेट में अपनी 58.46 प्रतिशत हिस्सेदारी अजय सिंह को बेची थी। एयरलाइन ने कहा कि वह मारन और केएएल एयरवेज को अब तक 730 करोड़ रुपये चुका चुकी है, जिसमें 580 करोड़ रुपये मूलधन और 150 करोड़ रुपये ब्याज शामिल हैं। शेष राशि अदालत के निर्देश के अनुरूप जमा कराई जाएगी।

कहीं देर न हो जाए! सेंसेक्स की ये 5 कंपनियां भरने वाली हैं लंबी उड़ान, अभी निवेश का है सही मौका

भारतीय शेयर बाजार मं निवेश करना हमेशा से धन सृजन का एक बेहतरीन जरिया रहा है। फरवरी 2026 के मौजूदा बाजार हालातों और विश्लेषकों की राय के अनुसार, यहाँ उन 5 दिग्गज कंपनियों की सूची दी गई है जो भविष्य में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं।भारतीय शेयर बाजार में निवेश करना हमेशा से धन सृजन का एक बेहतरीन जरिया रहा है। फरवरी 2026 के मौजूदा बाजार हालातों और विश्लेषकों की राय के अनुसार, यहाँ उन 5 दिग्गज कंपनियों की सूची दी गई है जो भविष्य में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं।2026 निवेश के लिए 5 सबसे भरोसेमंद कंपनियांसेंसेक्स की इन कंपनियों का चयन उनके मजबूत फंडामेंटल्स, भविष्य की विकास योजनाएं और बाजार में उनकी पकड़ के आधार पर किया गया है।ज्ैै भारत की सबसे बड़ी सेवा कंपनी है। 2026 में कंपनी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर विशेष ध्यान दिया है। हाल ही में TCS ने अपने वार्षिक AI राजस्व में +1.8 बिलियन का आंकड़ा छुआ है। कंपनी ने 2 लाख से अधिक कर्मचारियों को । प् में प्रशिक्षित किया है, जो इसे वैश्विक बाजार में तकनीकी बढ़त देता है।देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक, SBI, अपनी बेहतर एसेट क्वालिटी और स्थिर रिटर्न के लिए जाना जाता है। विश्लेषकों ने 2026 के लिए द्1,100 के आसपास का लक्ष्य

रखा है। लोन ग्रोथ में मजबूती और डिजिटल बैंकिंग के विस्तार से बैंक का मुनाफा लगातार बढ़ रहा है।टेलीकॉम सेक्टर में एयरटेल एक मजबूत खिलाड़ी बनकर उभरा है। 5ळ विस्तार और ARPU (प्रति ग्राहक औसत आय) में वृद्धि ने इसे आकर्षक बनाया है। ब्रोकरेज फर्म्स के अनुसार इसमें 14–15ः की बढ़त की संभावना है। डेटा की बढ़ती खपत और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में कंपनी का भारी निवेश भविष्य के लिए शुभ संकेत है।

फिल्म पेट्रियट का नया पोस्टर जारी, 23 अप्रैल पर्दे पर दिखेगी मोहनलाल-ममूटी की जोड़ी

साउथ के 2 सुपरस्टार मोहनलाल और ममूटी फिल्मी पर्दे पर धमाका करने के लिए तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म पेट्रियट इसी साल सिनेमाघरों में दबदबा बनाने के लिए आ रही है जिसका ऐलान पिछले साल कर दिया गया था। महेश नारायणन द्वारा निर्देशित इस फिल्म का नया पोस्टर सोशल मीडिया पर जारी किया गया है। पोस्टर में दोनों धुरंधरों को एक साथ एक्शन अवतार में देखकर फैंस भी उत्साहित हो गए हैं।पेट्रियट के पोस्टर में मोहनलाल और ममूटी कार में बैठकर फुल एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। इसी के साथ फिल्म की रिलीज तारीख से पर्दा उठाया गया है जो 23 अप्रैल, 2026 है। कहानी देशभक्ति, जासूसी और एक्शन से लबरेज होगी जिसका हिस्सा नयनतारा और फहाद फासिल भी हैं। पिछले साल टीजर जारी हुआ था जिसमें मोहनलाल को आर्मी अधिकारी के किरदार में नजर आए थे। ममूटी के साथ उन्हें आखिरी बार फिल्म ट्वेंटीरू20 में देखा गया था।मोहनलाल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लगभग सभी बड़ी भाषाओं में पोस्टर शेयर किए। इस इंटेंस पोस्टर में मोहनलाल एक खतरनाक, कमांडिंग अवतार में राइफल चलाते हुए दिख रहे हैं। ममूटी भी लड़ाई के लिए तैयार दिख रहे थे, जिसमें पावर और हिम्मत दिख रही थी। पोस्टर एक्शन और सीट से उठ खड़े होने वाले पलों से भरी एक दिलचस्प कहानी की ओर इशारा करता है।इससे पहले, फरवरी में निर्माताओं ने एक बीटीएस वीडियो साझा किया था, अपने एक्स टाइमलाइन पर ले जाते हुए, अभिनेता मोहनलाल ने लिखा, प्तपैट्रियट बिहाइंड द सीन्सरू श्रीलंका। 23 अप्रैल, 2026 से दुनिया भर के सिनेमाघरों में। जारी किए गए बीटीएस वीडियो में एक एयरबेस पर शूट किए गए दृश्य थे, जो हेलिकॉप्टरों, विमानों और लड़ाकू विमानों से भरे थे। बीटीएस वीडियो में एयरबेस पर मोहनलाल और ममूटी की झलक भी दिखाई गई, जिससे इस तथ्य पर प्रकाश डाला गया कि मलयालम सिनेमा के

दो दिग्गज 18 साल बाद एक साथ आ रहे थे।

संगीत शोबन की फिल्म राकासा की रिलीज की तारीख से उठा पर्दा, 3 अप्रैल को विश्वव्यापी होगी रिलीज

राकासा के निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि फिल्म 3 अप्रैल, 2026 को विश्व भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जेड स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत और पिंक एलिफेंट पिक्चर्स के बैनर तले निर्मित इस फिल्म को मानसा शर्मा ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि निहारिका कोनिडेला और उमेश कुमार बंसल इसके निर्माता हैं।

फिल्म की रिलीज तिथि की घोषणा इस परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है और वर्तमान में यह पोस्ट–प्रोडक्शन में है। मुख्य शूटिंग पूरी होने के बाद, टीम फिल्म के संपादन, संगीत, साउंड डिजाइन और समग्र दृ श्य प्रस्तुति को अंतिम रूप देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, ताकि पोस्ट–प्रोडक्शन प्रक्रिया को 3 अप्रैल 2026 को इसकी नियोजित थिएटर रिलीज की दिशा में आगे बढ़ाया जा सके।फिल्म की रिलीज डेट के साथ ही एक नया पोस्टर भी जारी किया गया है, जो फिल्म के कल्पनाशील अंदाज और शैली को दर्शाता है। इसके साथ ही, यूट्यूब पर पहले से जारी किए गए टीजर ने दर्शकों को राकासा की दुनिया की पहली झलक दिखाई। टीजर ने कहानी के विशिष्ट विवरण देने के बजाय, फिल्म के माहौल को स्थापित किया, जिसमें हास्य, काल्पनिक तत्व और तनाव के क्षणों का मिश्रण है, जिससे बड़े पर्दे के लिए तैयार किए गए एक नाटकीय अनुभव की उम्मीदें बढ़ जाती हैं।

अपनी घोषणा के बाद से ही, राकासा ने तेलुगु फिल्म जगत में लगातार दिलचस्पी जगाई है, जिसका श्रेय इसके विभिन्न शैलियों के मिश्रण और सधी हुई प्रचार रणनीति को जाता है। निर्माताओं ने धीरे–ध ीरे फिल्म का खुलासा करने की रणनीति अपनाई, जिससे चुनिंदा अपडेट्स के माध्यम से दर्शकों की उत्सुकता धीरे–ध ीरे बढ़ती गई। अब जब रिलीज डेट तय हो चुकी है, तो फिल्म अपने प्रचार के एक अधिक निश्चित चरण में प्रवेश कर चुकी है, जिससे दर्शकों और फिल्म उद्योग जगत को एक पष्ट समयसीमा का इंतजार है।मुख्य भूमिकाओं में संगीत शोभन और नयन सारिका अभिनीत, फिल्म को एक मजबूत कलाकारों की टोली का समर्थन प्राप्त है जिसमें वेनेला किशोर, ब्रह्माजी, तनिकेला भरणी, आशीष विद्यार्थी, गेटअप श्रीनु, सुकविंदर

सिंह, अरुणा बिक्शु, रमना भार्गव, वासु इंटुरी, रोहिणी और रोहन शामिल हैं। फिल्म के हास्य, चरित्र–चालित क्षणों और काल्पनिक कथा परतों को आकार देने में कलाकारों की टुकड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।फिल्म के निर्माण में विजय द्वारा कोरियोग्राफ किए गए एक्शन से भरपूर दृ श्यों का एक बड़ा शेड्यूल शामिल था, जो दे कॉल हिम ओजी के लिए प्रसिद्ध हैं। इसके बाद कॉमेडी और कथात्मक दृ श्यों का व्यापक निर्माण किया गया, जिससे फिल्म की संतुलित शैली सुनिश्चित हुई। सभी शूटिंग पूरी होने के बाद, पोस्ट–प्रोडक्शन का काम फिल्म के विजन को मजबूत करने, इसकी कलात्मकता को निखारने और सिनेमाघरों में रिलीज से पहले कथात्मक सामंजस्य सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।निर्माता निहारिका कोनिडेला, जिन्होंने कमेटी कुर्रोल्लू से मुख्यधारा के निर्माण जगत में कदम रखा, राकासा के साथ विषय–आध ारित परियोजनाओं पर अपना जोर जारी रखती हैं। इस परियोजना को जेड स्टूडियोज का समर्थन प्राप्त है, जो इसकी अवधारणा और क्रियान्वयन में उनके विश्वास को दर्शाता है।तकनीकी दृष्टि से, राकासा में अनुदीप देव का संगीत, राजू एडुरोलू की छायांकन और अनवर अली का संपादन है। प्रोडक्शन डिजाइन का नेतृत्व रामंजनयुलु ने किया है, जबकि पुल्ला विष्णु वर्धन कला निर्देशक और संध्या सब्बवरपु वेशभूषा की देखरेख कर रही हैं।

बाक्स आफिस पर श्ओ रोमियो की रफ्तार हुई धीमी, 14वें दिन कमाए बस इतने करोड़, अस्सी ने कर दी दो दीवाने सहर में की छुट्टी

शाहिद कपूर स्टारर रोमांटिक ड्रामा ओ रोमियो उम्मीद के मुताबिक बॉक्स ऑफिस पर परफॉर्म नहीं कर पाई है. हालांकि इसकी शुरुआत ठीक हुई थी और इसका पहला हफ्ता भी सही गुजरा. इसके बाद दूसरे वीकेंड पर भी इसने थोड़ा दम दिखाया लेकिन वीकडेज में ये लुढ़क गई. किसी तरह इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 60 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. अब जानते हैं श्ओ रोमियोय ने रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे गुरुवार को कितना कमाई की है.सनी देओल की बॉर्डर 2 इस साल की अभी तक की सबसे बड़ी हिट फिलम साबित हुई. वहीं विशाल भारद्वार निर्देशित ओ रोमियो की रिलीज से पहले लग रहा था कि ये फिल्म बॉर्डर 2 को पीछे छोड़ देगी. हालांकि सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद ओ रोमियो को क्रिटिक्स और ऑडियंस से मिक्स्ड रिव्यू मिला. इसी के साथ ये फिल्म उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कछुए की चाल से आगे बढ़ रही है. जैसे तैसे इतने बॉक्स ऑफिस पर दो हफ्ते पूरे कर लिए हैं. वहीं फिल्म के कलेक्शन को देखें तो ये बेहद निराशाजनक हैं.बता दें कि ओ रोमियो ने पहले वीक में 47.1 करोड़ कमाए थेय इसके बाद 8वें दिन 2.15 करोड़, 9वें दिन 3.4 करोड़, 10वें दिन 3.15 करोड़, 11वें दिन 1. 6 करोड़, 12वें दिन 1.65 करोड़ और 13वें दिन 1.25 करोड़ का कलेक्शन किया.वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक श्ओ रोमियोय ने रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे गुरुवार को 1.25 करोड़ कमाए हैं. इसके बाद श्ओ रोमियोय की 14दिनों की कुल कमाई अब 61.55 करोड़ रुपये हो गई है.तापसी पन्नू स्टारर अस्सी सेक्सुअल असॉल्ट जैसे सेंसिटिव और मुश्किल सब्जेक्ट पर बनी है. पिछले शुक्रवार को थिएटर में रिलीज होने के बाद इस कोर्टरूम ड्रामा को दर्शकों से मिला–जुला रिस्पॉन्स मिला. और ये फिल्म दर्शकों को थिएटर तक खींचने में नाकाम रही. फिल्म को अनुभव सिन्हा ने डायरेक्ट किया है और इसमें तापसी पन्नू एक वकील के रोल में हैं जो पीड़ित का केस लड़ रही है. थिएटर में रिलीज होने के बाद से फिल्म सिंगल डिजिट में कमाई कर रही है. अब, सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म ने रिलीज के 7वें दिन 0.54 करोड़

रुपये जमा किए हैं. इसके साथ, एक हफ्ध्ते में फिल्म का कुल कलेक्शन 6.89 करोड़ रुपये हो गया है. जबकि इस लीगल ड्रामा की ग्रॉस कमाई 7.5 करोड़ रुपये है. दो दीवाने सहर मेंय को रवि उदयवार ने डायरेक्ट किया है. इस फिल्म को संजय लीला भंसाली, रवि उदयवार फिल्म्स, प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार रंगा ने प्रोड्यूस किया है. ये एक रोमांटिक कहानी पर आध ारित है, हालांकि ये बॉक्स ऑफिस पर ठंडी साबित हुई है. अब ये सिनमाघरों में रिलीज का एक हफ्ता पूरा कर चुकी है लेकिन इसकी कमाई काफी निराशाजनक है.

सूबेदार का धांसू ट्रेलर हुआ रिलीज, एक्शन अवतार में नजर आए अनिल कपूर

अनिल कपूर बड़े पर्दे पर अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। ओटीटी पर भी वह अपना जलवा दिखाने को तैयार हैं। जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर यह फिल्म रिलीज होगी। सोमवार को अनिल कपूर की इस फिल्म का ट्रेलर सामने आया है। ट्रेलर में अनिल का लुक, अंदाज और एक्शन देखकर दर्शक चौंक सकते हैं।श्सूबेदारश्य एक एक्शन फिल्म है। लेकिन इसकी कहानी में इमोशनल एंगल भी है। इस फिल्म में अनिल कपूर, मोना सिंह और राधिका मदान लीड रोल में हैं। फिल्म में अनिल कपूर एक रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर के रोल में नजर आ रहे हैं। वह एक शहर में आते हैं, जहां गुंडाराज चल रहा है। मोना सिंह एक खनन माफिया करने वाली महिला उर्फ दीदी रोल में हैं, उसका एक भाई है, जो लोगों पर जुल्म करता है। एक दिन अनिल कपूर के किरदार सूबेदार की वह लड़का बेइज्जती कर देता है। उसके बाद शुरू होता है, मार–धाड़ का खेल। अनिल कपूर का अभिनय जहां कमाल का है, वहीं उनका एक्शन भी ध माकेदार है। फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। अनिल कपूर इस प्रोजेक्ट के को–प्रोड्यूसर भी हैं।अनिल कपूर की अपकमिंग फिल्म श्सूबेदारश्य अगले महीने रिलीज होगी। ट्रेलर के साथ मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट भी बताई है। यह फिल्म 5 मार्च को रिलीज होगी। प्राइम वीडियो पर यह फिल्म स्ट्रीम होगी। फिल्म में फैसल शेख और सौरभ शुक्ला जैसे एक्टर्स भी नजर आ रहे हैं। श्सूबेदारश्य के अलावा अनिल कपूर कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। पिछले साल फिल्म वॉर 2 में नजर आए थे। इस साल अल्फा और किंग फिल्म में भी नजर आएंगे। दोनों ही फिल्में इसी साल रिलीज होंगी। किंग फिल्म में अनिल कपूर के अलावा कई नामी एक्टर्स भी नजर आएंगे।

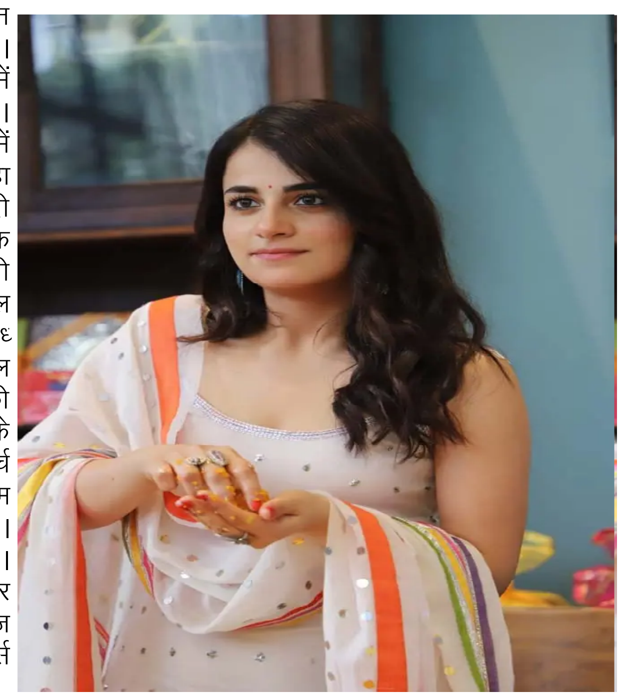

निर्मित कौर अहलूवालिया की दमदार वापसी, 4 साल बाद लंबे फॉर्मेट में किया कमबैक

अभिनेत्री निर्मित कौर अहलूवालिया अपने करियर के एक नए और रोमांचक दौर में कदम रख रही हैं। वह अपने ओटीटी डेब्यू श्अब होगा हिसाबश्य के साथ लंबे फॉर्मेट की कहानी में वापसी कर रही हैं। फिल्मों में काम करने के बाद अब वह एक पूरी सीरीज के साथ फिर से सेट पर लौटी हैं, जो उनके अभिनय सफर में एक अहम बदलाव है।

यह शो उन्हें उस फॉर्मेट में वापस लेकर आया है, जिससे वह पहले जुड़ी रही हैं, लेकिन इस बार वह इसे एक नए अनुभव और नई सोच के साथ देख रही हैं।

निर्मित के लिए लंबे फॉर्मेट की कहानी में लौटना एक तरह से यादों भरा और रचनात्मक रूप से संतोष देने वाला अनुभव रहा। उनका मानना है कि लंबे फॉर्मेट की कहानियों में कलाकार को अपने किरदार को गहराई से समझने और जीने का ज्यादा समय मिलता है। इससे भावनाओं और कहानी के उतार–चढ़ाव को बेहतर तरीके से महसूस किया जा सकता है।

श्अब होगा हिसाबश्य के सेट पर वापसी के बारे में निर्मित ने कहा, लंबे फॉर्मेट के सेट पर वापस आना शुरू में थोड़ा अवास्तविक सा लगा। फिल्मों में काम करने के बाद जब आप ऐसी कहानी में लौटते हैं जो समय के साथ आगे बढ़ती है, तो एक अलग ही उत्साह महसूस होता है। लंबे फॉर्मेट की सीरीज आपको अपने किरदार के साथ बैठने, उसकी परतों को समझने और उसके साथ आगे बढ़ने का मौका देती है। यहां आप एक

भाव से दूसरे भाव में जल्दी–जल्दी नहीं जाते, बल्कि हर चीज को गहराई से महसूस करने का समय मिलता है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे श्अब होगा हिसाबश्य जैसी सीरीज में सबसे अच्छी बात यह लगती है कि इसमें अभिनय करने के लिए खुली जगह मिलती है। आप खामोशी, भावनाओं के बदलाव और किरदार के अलग–अलग पहलुओं को विस्तार से दिखा सकते हैं। एक कलाकार के लिए यह बहुत कीमती होता है, क्योंकि इससे आपका किरदार और कहानी से जुड़ाव और मजबूत होता है। लंबे फॉर्मेट के शो के सेट पर लौटकर मुझे याद आया कि मुझे कहानी कहने से प्यार क्यों है।

डिंपल कपाड़िया और पंकज कपूर की फिल्म जब खुली किताब का फर्स्ट लुक आया सामने, 06 मार्च से जी5 पर स्ट्रीम होगी

फिल्म जब खुली किताब का पहला लुक सामने आ गया है। इस फिल्म में मशहूर एक्टर पंकज कपूर और डिंपल कपाड़िया मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान सौरभ शुक्ला ने संभाली है। ओटीटी पर जब खुली किताब अगले महीने यानी मार्च में रिलीज होगी।

अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा प्रेजेंट और शूस्ट्रैप फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म को सौरभ शुक्ला ने डायरेक्ट ही नहीं किया, बल्कि लिखा भी है। यह सौरभ शुक्ला के इसी नाम के ओरिजिनल प्ले पर बेस्ड है। फिल्म स्क्रीन पर एक प्यारा, मजेदार और इमोशनल लेयर वाला लेट–लाइफ रोमांस दिखाती है। जब खुली किताब 06 मार्च 2026 से जी5 पर स्ट्रीम होगी।

फिल्म जब खुली किताब गोपाल और अनुसूया की कहानी है, जिनकी दशकों पुरानी शादी एक अचानक हुए खुलासे से हिल जाती है। जैसे–जैसे लंबे समय से छिपी सच्चाई सामने आती है, उनका परिवार भावनाओं के भंवर में फंस जाता है। यह फिल्म इमोशंस से भरपूर है। मगर, हंसने के भी पर्याप्त मौके देगी। असल में, कहानी प्यार, साथ, माफी और जिंदगी भर साथ रहने के बाद एक–दूसरे को फिर से खोजने की संभावना जैसे विषयों को दिखाती है।कलाकारों की टीम में अपारशक्ति खुराना भी हैं, जो एक युवा वकील का रोल अदा करते दिखेंगे। इनका मॉडर्न नजरिया इस फैमिली ड्रामा में एक नयापन लाता है। समीर सोनी, नौहीद सेरुसी और मानसी पारेख भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। जी5 की हिंदी बिजनेस हेड कावेरी दास ने फिल्म को लेकर कहा कि यह यह प्यार का जश्न मनाने वाली फिल्म है।

उन्होंने कहा, फिल्म जब खुली किताब एक याद दिलाती है कि

शनाया कपूर की नई फिल्म को नाम मिला जैकब कार्डोसो, रिलीज तारीख पर आया अपडेट

शनाया कपूर ने अपनी हालिया रिलीज एडवेंचर–थ्रिलर फिल्म तू या मैं से सुर्खियां बटोरी थीं। इसमें उनके साथ आदर्श गौरव मुख्य किरदार में थे, लेकिन दर्शकों का दिल जीतने में यह बुरी तरह से नाकामयाब साबित हुई। इस बीच, शनाया अगली फिल्म को लेकर चर्चाओं में आ गई हैं जिसके शीर्षक का खुलासा आखिरकार हो गया है। फिल्म के निर्माता विकेश भूटानी हैं जिन्होंने आधिकारिक तौर पर शीर्षक का खुलासा कर दिया है।रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता भूटानी ने बातचीत के दौरान बताया है कि आगामी कॉमेडी फिल्म का शीर्षक जैकब कार्डोसो रखा गया है। शनाया के अलावा, फिल्म में अभय वर्मा मुख्य किरदार में दिखाई देंगे, जिन्हें मुंज्या से लोकप्रियता मिली थी। शुजात सौदागर द्वारा निर्देशित जैकब कार्डोसो की कहानी कथित तौर पर 1987 के समय पर आधारित है। भूटानी ने बताया, यह गोवा में बनी खूबसूरत फिल्म है, उस समय की कहानी है जब गोवा राज्य बन रहा था।फिल्म जैकब कार्डोसो की शूटिंग मार्च, 2025 में शुरू हुई थी जो 2 महीने में पूरी हो गई। जल्द ही इसकी रिलीज तारीख जारी होगी।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।